सुविचार

आपका अपना सकारात्मक भविष्य इसी क्षण से शुरू होता है। आपके पास जो कुछ भी है, वह अभी है। यहां से हर लक्ष्य संभव है।

–लाओत्से

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 22 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 40 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Bhumi Pednekar Says She Is...

आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध : हेमंत

मुख्यमंत्री से मिले वर्ल्डबीइंग के सीईओ स्टीव लेवेंथल, संस्था के कार्यों से कराया अवगत

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से झारखंड विधानसभा में वर्ल्डबीइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेंथल (यूएसए) ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ उनके कल्याण की दिशा में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम के जरिए आश्रम आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों में आए सकारात्मक बदलावों को भी मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने संस्था द्वारा इस राज्य के आदिवासी समाज के उत्थान और विकास के लिए किए जा रहे कार्यों को विस्तार से जाना और सराहना की। मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

युवाओं में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन की झारखंड प्रभारी सुनीता मुंडा ने कहा कि यहां के आदिवासी युवाओं में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। विपरीत परिस्थितियों से भी वे लड़ने की पूरी क्षमता रखते हैं। लेकिन, मानसिक रूप से उन्हें थोड़ा मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में यह संस्था अपने आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने भी कहा कि आदिवासी युवा मानसिक रूप से कैसे मजबूत हों, इसमें सरकार आपके द्वारा किए गए कार्यों का गहराई से आकलन कर आगे बढ़ेगी।

झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है। इस राज्य की आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सहित अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न संस्थाओं का सहयोग कारगर साबित हो सकता है। सरकार सभी के सकारात्मक सहयोग से इस राज्य को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

'आरोहण' को मुख्य प्रणाली से जोड़ने की जरूरत

वर्ल्डबीइंग इंडिया फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह संस्था आरोहण के जरिए बिहार की शिक्षा व्यवस्था के साथ जुड़कर काम कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में भी आरोहण को शिक्षा के मुख्य प्रणाली में कैसे शामिल किया जाए, इसके लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस दिशा में झारखंड के शिक्षकों एवं अधिकारियों की टीम को बिहार में आपके द्वारा किए गए कार्यों को देखने के लिए भेजा जाएगा।

सीबीआई के पूर्व डीएसपी की ईडी ने जब्त की संपत्ति

NEW DELHI : शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने सीबीआई के एक पूर्व डीएसपी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत करीब एक करोड़ रुपये कीमत की आवासीय संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व पुलिस उपाधीक्षक राजीव कुमार ऋषि पर सबसे पहले उनके अपने विभाग ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। बयान के अनुसार, यह आरोप लगाया गया था कि ऋषि ने नौ नवंबर, 2012 से 14 जनवरी, 2021 के बीच अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 1.44 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित की थी। ईडी ने कहा कि यह उक्त अवधि के दौरान उनकी वैध आय से 113.36 प्रतिशत अधिक थी। ईडी द्वारा ऋषि के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए उनसे तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका।

राष्ट्र निर्माण के लिए अच्छे नेताओं को तैयार करना आवश्यक : प्रधानमंत्री

- भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप कॉन्क्लेव 2025 का पीएम ने किया उद्घाटन
- कहा- एसओयूएल विकसित भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण कदम
- मानव और प्राकृतिक संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी डाला प्रकाश

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) लीडरशिप कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी देश की प्रगति में केवल प्राकृतिक संसाधन ही नहीं बल्कि मानव संसाधन भी अहम भूमिका निभाते हैं। गुजरात के पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं है, फिर भी आज नेतृत्व की शक्ति को देखें- गुजरात में सबकुछ है। सभी बड़े नेताओं और उभरते युवा नेताओं का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अच्छे नेताओं को तैयार करना आवश्यक है और यह समय की मांग है। उन्होंने कहा कि स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप विकसित भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि एसओयूएल सिर्फ संगठन का नाम नहीं है, बल्कि एसओयूएल भारत के सामाजिक जीवन की आत्मा होगी। दूसरे अर्थों में, एसओयूएल आध्यात्मिक अनुभव के सार को भी खूबसूरती से दशार्ता है। एसओयूएल के सभी हितधारकों को शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने घोषणा की कि निकट भविष्य में गुजरात की गिफ्ट सिटी के निकट एसओयूएल का एक नया, विशाल परिसर बनकर तैयार हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने किसी भी राष्ट्र की प्रगति में मानव और प्राकृतिक संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

विकास की आवश्यकता पर भी दिया बल

पीएम ने कहा कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सभी क्षेत्रों में अच्छे नेतृत्व की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप ऐसे नेताओं को तैयार करेगा जो राजनीति के क्षेत्र सहित पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में ऐसे संसाधनों की आवश्यकता है जो नवाचार का नेतृत्व करने और कौशल को दिशा देने में सक्षम हों। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कौशल के बढ़ते महत्व की ओर इशारा किया। मोदी ने नए कौशल को अपनाने के लिए नेतृत्व विकास की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि इसे वैज्ञानिक और संरचित दृष्टिकोण के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस प्रक्रिया में एसओयूएल जैसे संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया और उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि संस्था ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में गति बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय नेताओं और अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व की आवश्यकता है।

SHARE

सेंसेक्स	:	75,311.06
निफ्टी	:	22,795.90

SARAFA

सोना	:	8,205
चांदी	:	109.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार-विस्फोटक बरामद

IMPHAL : मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के विभिन्न सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने छापा मारकर भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुगनू थाना क्षेत्र के सिंघटॉम गांव और आसपास के इलाकों में सुरक्षाबल के जवानों ने छापा मारकर एक एसएलआर (बिना मैगजीन), एक सिंगल बैरल गन, एक स्थानीय रूप से निर्मित पंपी (पाइप बम लॉन्चर), तीन नंबर 36 हैंड ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), दो बाओफेंग हैंडसेट, आठ टियर गैस स्मोक शेल, तीन आईईडी (लगभग आठ किलोग्राम), एक बुलेटप्रूफ वेस्ट, एक जोड़ी जंगल बूट और अन्य हथियार व गोला-बारूद बरामद किया है। इसी तरह, सुरक्षाबलों ने मयांग इंफाल थाना क्षेत्र के बेंगून यांगी सगाइसाबी इलाके से एक रीमेड 7.62 एमएम स्नाइपर राइफल, दो नौ एमएम पिस्टल , एक एसबीबीएल गन, दो नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, पांच स्मोक ग्रेनेड, एक एमए-3 राइफल (म्यांमार निर्मित, बिना मैगजीन) तथा अन्य विस्फोटक सामग्री जब्त की गई।

डीसी ने मामले में डीडीसी की अध्यक्षता में गठित की है जांच टीम

10वीं परीक्षा का पेपर लीक केस में कोडरमा से दो अरेस्ट

टीम ने 12 घंटे के भीतर की कार्रवाई, एक कोचिंग संचालक सहित दो को दबोचा

- कोषागार से पेपर लीक होने की बात को डीसी ने सीधे तौर पर किया खारिज
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी सभी गतिविधियों पर निगरानी रखने का निर्देश
- मरकच्चो थाने में दर्ज की गई है प्राथमिकी

PHOTON NEWS KODERMA : झारखंड 10वीं बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक मामले पर झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से आदेश जारी होने के बाद जिला प्रशासन ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। डीसी मेघा भारद्वाज ने मामले पर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में एक जांच टीम गठित की है। जांच टीम ने पेपर लीक मामले में 12 घंटे के अंदर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि पेपर लीक मामले पर पुलिस विभाग ने अपने साइबर सेल को विशेष निर्देश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी हर गतिविधियों निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मरकच्चो थाना में मामला दर्ज किया गया है, दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनमें प्रशांत कुमार साव और आशीष कुमार साव शामिल हैं। इधर कोषागार से पेपर लीक होने की बात को उपायुक्त ने सीधे तौर पर खारिज किया है। हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक कराने के मामले में पुलिस ने कोडरमा जिले के जामु निवासी स्कूल कोचिंग संचालक प्रशांत कुमार साव और आशीष कुमार साव को गिरफ्तार किया है। प्रशांत मरकच्चो प्रखंड के जामू में एक प्राइवेट स्कूल और कोचिंग सेंटर चलाता है।

मूक-बधिर छात्र ने 350 रुपये में उपलब्ध कराया था प्रश्नपत्र

प्रशांत ने पुलिस को बताया कि उसे मरकच्चो निवासी प्रिंस राणा नामक छात्र ने प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया था। प्रिंस मूक-बधिर है, जो खुद इस बार परीक्षा में शामिल होने वाला था। प्रिंस अपने पिता इंद्रदेव विश्वकर्मा और मां आरती देवी के साथ इलाज के लिए बेंगलुरू गया है। पुलिस जब प्रिंस के घर पर दबिश दी तो वहां उसकी दादी और छोटा भाई गौतम मिला। प्रश्नपत्र एक वाट्सएप ग्रुप में मात्र 350 रुपये में बेचे गए थे।

महाराष्ट्र और देवघर से भी तार जुड़े होने के सबूत

पेपर लीक मामले में कई कोचिंग संचालक के भी तार जुड़े होने की बात सामने रही हैं। पूछताछ में महाराष्ट्र और देवघर, गिरिडीह से भी इसके तार जुड़े होने के सबूत मिल रहे हैं जहां टीम को भेजा गया है। सभी मामलों की जानकारी जैक द्वारा बनाई गई समिति को दे दी गई है। बता दें कि झारखंड में 18 फरवरी को हिंदी और 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा का आयोजन किया गया था। दोनों पेपर के प्रश्न सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। जैक के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से जब वायरल प्रश्न पत्रों का मिलान किया गया तो कई सवाल एक समान पाए गए। जैक ने उसके बाद हिंदी और विज्ञान की परीक्षा को रद्द कर दिया था। कोडरमा डीसी मेघा भारद्वाज ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के भ्रामक पोस्ट या सूचना पर ध्यान न दें।

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, दो गिरफ्तार

परीक्षा में हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक मामले पर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर आयोग के कार्यालय पहुंचे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रांची के कार्यकताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से एबीवीपी के कार्यकताओं ने दी है। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के मंत्री ऋतुराज सहदेव और सौरभ यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्वार्टर में मिली जेपीएससी-1 की टॉपर शालिनी, उनकी मां और भाई की डेड बॉडी

- हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस
- दो साल पहले शालिनी गई थीं छुट्टी पर, फिर नहीं लौटीं
- फांसी के फंदे पर मिले भाई-बहन के शव

AGENCY ERNAKULAM : प्रथम झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन (जेपीएससी) की टॉपर रहीं शालिनी विजय, उनकी मां शकुंतला और भाई मनीष विजय की डेड बॉडी क्वार्टर से मिली है। घटना कोच्चि के पास कक्कनाड स्थित सेंट्रल एक्साइज स्टाफ क्वार्टर की है। आईआरएस अफसर मनीष विजय अग्रवाल और उनकी मां-बहन का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मनीष विजय केरल के ककनाड में कस्टम विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। वहीं शालिनी विजय जेपीएससी-वन की टॉपर रही थीं और लंबे समय तक झारखंड में डिप्टी कलेक्टर रैंक में काम कर रही थीं। इस बीच वह दो साल पहले छुट्टी पर गई थीं। इसके बाद वह ड्यूटी पर वापस नहीं लौटी। शालिनी विजय केरल की रहने वाली थीं। वह अपने भाई मनीष और मां के साथ रह रही थी। केरल के एनार्कुलम के कक्कनाड स्थित सरकारी आवास में उन्हें मृत पाया गया। शालिनी विजय व उनके भाई मनीष का शव घर में ही फांसी पर लटका था, जबकि उनकी मां का शव बिस्तर पर मिला है। पुलिस के मुताबिक तीनों ने कई दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी। मनीष विजय ने सप्ताह भर पहले ऑफिस से छुट्टी ली थी। छुट्टी खत्म होने के बाद भी जब वह ऑफिस नहीं पहुंचे, तो उनके सहकर्मी घर पहुंच गए। जब उन्हें घर से दुर्गंध आने लगी तो उन्होंने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा तो पाया कि शालिनी विजय और मनीष का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ है, जबकि मां शकुंतला का शव बिस्तर पर पड़ा था।

पर्यावरण वैज्ञानिकों ने कहा- संगम का जल स्नान योग्य

PRAYAGRAJ : महाकुंभ में एक ओर देश-दुनिया के करोड़ों भक्त रोजाना त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में स्नान करके खुद को धन्य मान रहे हैं, वहीं हाल ही में आई केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड की एक रिपोर्ट ने लोगों के मन में संदेह पैदा कर दिया था। इसी संदेह को देखते हुए देश के प्रख्यात वैज्ञानिक गंगा जल में स्नान को लेकर आई रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक तरफ उसे अपूर्ण बता रहे हैं, दूसरी ओर रिपोर्ट के अंशों को गलत ढंग के प्रसारित करने का संदेह जता रहे हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे तत्वों का रिपोर्ट में उल्लेख नहीं है जो इसे अपूर्ण बनाती है। ऐसे में, केवल इस रिपोर्ट के आधार पर गंगा जल की गुणवत्ता पर सवाल उठाना ठीक नहीं रहेगा। वैज्ञानिकों ने संगम के जल को स्नान योग्य बताया है। शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान स्कूल के सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार मिश्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर उमेश कुमार सिंह तथा दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर आरके रंजन ने एकमत स्वर में कहा कि मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर भी गंगा जल क्षारीय है, जो कि स्वस्थ जल निकाय का संकेत है। जल में घुलनशील ऑक्सीजन की मात्रा के आधार पर इसे स्नान योग्य ही माना जाएगा।

आईएएस पूजा सिंघल को मिली बड़ी राहत

विभाग नहीं देने की मांग वाली याचिका खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने ईडी की ओर से दाखिल उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें एजेंसी ने कोर्ट से यह आग्रह किया था कि पूजा सिंघल को कोई विभाग ना दिया जाये। इस आदेश से पूजा सिंघल को बड़ी राहत मिली है। ईडी और पूजा सिंघल की ओर से बहस पूरी करने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। दरअसल ईडी ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर यह कहा कि अगर पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वह अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती हैं। लेकिन कोर्ट ने यह माना है कि पूजा सिंघल को पोस्टिंग देने का अधिकार राज्य सरकार को है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा।

बोले स्पीकर- सदन संचालन के लिए विपक्ष का सहयोग आवश्यक

बजट सत्र से पहले विस अध्यक्ष ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, भाजपा-आजसू अनुपस्थित

PHOTON NEWS RANCHI : 24 फरवरी से झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो रहा है। इसके पहले शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। भाजपा और आजसू ने इसमें हिस्सा नहीं लिया। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक प्रदीप यादव, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान, राजद विधायक सुरेश पासवान और जदयू विधायक सरयू राय शामिल हुए। बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष महतो ने कहा कि सदन के सुचारू संचालन के लिए विपक्ष का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की गैर-मौजूदगी पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे सदन के संचालन में कठिनाई होती है। उन्होंने कहा, गाड़ी के दो पहियों में से एक न हो तो तकलीफ होगी ही। स्पीकर ने कहा कि मूल बजट पर दो दिनों तक चर्चा होगी।

सदन में नेता प्रतिपक्ष की गैर-मौजूदगी पर जताई चिंता

न्यू स्टडी केंद्र के पास भी संरचनात्मक बदलाव का मिल रहा संकेत

बाहरी हलचलों से बदल रही पृथ्वी की आंतरिक संरचना

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : भूगोलवेत्ता और भौतिक विज्ञानी पृथ्वी के बाहरी और आंतरिक संरचना में होने वाले परिवर्तन या भविष्य में हो सकने वाले परिवर्तन पर पिछले कई दशकों से गंभीर अध्ययन कर रहे हैं। सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की अपनी धुरी पर गति के कारण दिन-रात की स्थिति और मौसमों में बदलाव होता है। यदि पृथ्वी का बाह्य स्वरूप प्रदूषित होता है और आंतरिक संरचना में परिवर्तन आता है, तो यह संपूर्ण संजीव जगत और प्राकृतिक संतुलन के लिए चिंता का विषय है। हाल में वैज्ञानिकों द्वारा किए गए रिसर्च में ऐसा ही संकेत उभर कर सामने आया है। रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी है कि पृथ्वी के आंतरिक कोर की सतह में परिवर्तन बहुत धीमी गति से ही सही, लेकिन परिवर्तन हो रहा है। ग्रह के केंद्र के पास संरचनात्मक बदलावों का भी पता चला है। बता दें कि आंतरिक कोर में होने वाले बदलाव लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए चर्चा का विषय रहे हैं। अब तक अधिकतर शोध ग्रह के घूर्णन (रोटेशन) के विश्लेषण पर आधारित रहे हैं।

गुरुत्वाकर्षण के कारण संतुलित रहती है पृथ्वी की तीन हजार मील नीचे की सतह

पहले के शोध में इस ग्रह की घूर्णन गति पर ही विशेष रूप से किया जाता था फोकस

- हाल में वैज्ञानिकों ने 121 भूकंपीय तरंगों का किया है विस्तृत विश्लेषण
- भीतर की गतिविधियां दिन की लंबाई को सूक्ष्म रूप से कर सकती हैं प्रभावित
- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने किया है विशेष अध्ययन

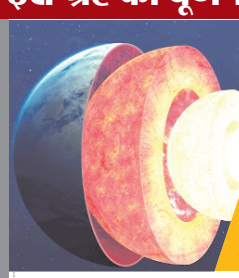

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित हुए हैं खास अध्ययन के नतीजे

अस्थायी रूप से बदलाव का संकेत

नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि प्राकृतिक गतिविधियों के कारण आंतरिक कोर का आकार अस्थायी रूप से बदल सकता है। इससे संकेत मिलता है कि आंतरिक कोर की ऊपरी सतह चिपचिपी विकृति से गुजर रही है।

पिघले हुए बाहरी कोर का महत्व

विशेष अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित किए गए हैं। शोधकताओं के मुताबिक, पृथ्वी की सतह से लगभग 3,000 मील (4,800 किमी) नीचे स्थित आंतरिक कोर, पिघले हुए बाहरी कोर से घिरा हुआ है और गुरुत्वाकर्षण के कारण संतुलित रहता है। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में मूल रूप से आंतरिक कोर की धीमी गति को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास किया था। जब उन्होंने दशकों पुराने भूकंपीय डाटा का विश्लेषण किया तो कुछ तरंगों का व्यवहार बाकी से अलग नजर आया। इससे पता चला कि पृथ्वी के आंतरिक कोर पूरी तरह ठोस नहीं है। यह बदल रहा है। वैज्ञानिकों ने 1991 से 2024 के बीच अंटार्कटिका के दक्षिण सैंडविच द्वीप समूह के पास आए 121 दोहराए जाने वाले भूकंपों से प्राप्त भूकंपीय तरंगों का विश्लेषण किया।

BRIEF NEWS

बाबा आम्रेश्वर धाम में 26 को मनेगी महाशिवरात्रि

KHUNTI : झारखंड के मिनी बाबा धाम के रूप में विख्यात बाबा आम्रेश्वर धाम आंगराबारी में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। इसकी तैयारी जोरों पर है। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यख लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव और महामंत्री मनोज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि 26 फरवरी को सुबह पांच बजे से बाबा भोलेनाथ का विधि विधान से पूजन और अभिषेक होगा। सुबह नौ बजे से कीर्तन और दस बजे प्रसाद वितरण होगा। बताया गया कि शाम सात बजे से बाबा का श्रृंगार पूजन और रुद्राभिषेक होगा। प्रबंध समिति ने सभी भक्तों से महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

अप्रैल में तैयार हो जाएगा आदित्यपुर स्टेशन : डीआरएम

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया ने कहा कि आदित्यपुर रेलवे स्टेशन का काम अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। इसके लिए काफी तेजी से काम हो रहा है। स्टेशन पूर्ण रूप से तैयार होने के बाद टाटानगर स्टेशन से चलने वाली कई ट्रेनों को आदित्यपुर से चलाने की योजना है, इसकी तैयार हो रही है। दरअसल टाटानगर स्टेशन के री-डेवलपमेंट काम के दौरान कई ट्रेनों को व्यवस्थित करना होगा। ऐसे में जो ट्रेन हावड़ा की ओर रवाना होगी, उसे टाटानगर से चलाया जाएगा। वहीं कुछ ट्रेनों को आदित्यपुर के साथ ही आसनबनी से भी चलाया जा सकता है। सभी विकल्पों पर विचार चल रहा है। डीआरएम तरुण हुरिया ने कहा कि टाटानगर स्टेशन के री-डेवलपमेंट के लिए टेंडर से एजेंसी चयनित होगी। मई-जून से काम शुरू हो सकता है। काम शुरू होने से पहले काफी योजनाबद्ध तरीके से ट्रेनों का परिचालन सुचारू रखना होगा।

प्रयागराज को लेकर विशेष व्यवस्था : प्रयागराज जाने के लिए 26 फरवरी तक काफी भीड़ होने की संभावना है, ऐसे में टाटा-जम्मूतवी एक्सप्रेस में नियमित तौर पर भीड़ रहने तक 5 जेनरल कोच लगाए जाएंगे। पिछले कुछ फेरों से हो रही भीड़ से सीखते हुए हम ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं, जिससे जेनरल कोच के यात्री पूरे सम्मान के साथ यात्रा कर सकें। वहीं स्लीपर और एसी कोच के यात्री जिन्होंने पहले से टिकट कराया है, वे भी आराम से जा सकें।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा

PALAMU : पोक्सो कोर्ट के स्पेशल जज अभिमन्यु कुमार की अदालत ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित रामेश्वर सिंह को दोषी पाते हुए 10 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इस संबंध में छतरपुर के बिषयपुर के राजनारायण सिंह (बदला नाम) ने छतरपुर थाना में रामेश्वर सिंह के विरुद्ध कांड संख्या 50/2022 दिनांक 26.5.2022 को भारतीय दंड विधान की धारा 376, 323, 504, 506 और पोक्सो एक्ट की धारा 4 व 6 के अंतर्गत नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। आरोप था कि 23 मई 2022 की शाम पीड़िता अपने गांव में शादी में शामिल होने गई थी।

संदीप टोप्पो हत्याकांड में पत्नी, उसकी सहेली समेत छह गिरफ्तार

पत्नी ने ही प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या, खुलासा

PHOTON NEWS KHUNTI : पुलिस ने संदीप टोप्पो हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने मृतक संदीप की पत्नी खुशबू तिर्की (सुंडील, रातु) और उसकी सहेली प्रिया कुमारी (दीवान टोली, बसिया) समेत प्रदीप कुजूर, पवन लकड़ा, रोनित कुजूर (तीनों आकाशी, पकड़ीटोली, डुमरी) और सुमन सागर कुजूर (केडेग, चैनपुर) को गिरफ्तार कर ली है। पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त हॉकी स्टिक के साथ मोबाइल फोन, जैकेट, नकद 25,500 रुपये, डिस्पोजेबल ग्लास, घड़ी की टूटी चेन और दो कार बरामद कर ली है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा

बता दें कि 17 फरवरी को कर्रा-रांची रोड पर छाता नदी के पास अपराधकर्मियों ने हॉकी स्टिक और धारदार हथियार से संदीप टोप्पो की हत्या कर दी थी। हत्या के वक्त मृतक संदीप टोप्पो की पत्नी खुशबू तिर्की भी साथ थी। पुलिस अनुसंधान में ये बातें सामने आई हैं कि खुशबू तिर्की नेशनल लेबल कुश्ती प्लेयर थी। उसकी नौकरी डुमरी के स्कूल में लगी थी। खुशबू की शादी संदीप टोप्पो से हुई थी। लेकिन डुमरी स्कूल में नौकरी करते हुए उसे स्कूल के एकाउंटेंट प्रदीप कुजूर से प्यार हो गया। प्रदीप का खुशबू के ससुराल आना-जाना भी होने लगा। यह सब संदीप को नागवार गुजरने लगा। संदीप ने अपनी पत्नी से नौकरी छोड़ने को कहा। इस बात को लेकर दोनों में नोंकझोंक होने लगी और खुशबू का झुकाव प्रदीप कुजूर की ओर हो गया। इसके बाद प्रदीप और खुशबू ने संदीप को रास्ते से हटाने का निर्णय लिया।

इसके लिए प्रदीप कुजूर ने चार लोगों को दो लाख रुपये में संदीप की हत्या की सुपारी दे दी। हत्या के दिन खुशबू की सहेली प्रिया लगातार खुशबू से बात कर लोकेशन लेकर प्रदीप कुजूर को दे रही थी।

इसके बाद प्रदीप कुजूर कर्रा-रांची रोड पर छाता नदी के पास संदीप की कार रुकवाई। संदीप के साथ बैठकर दारू पीया और जब संदीप को ज्यादा नशा हो गया, तो पांचों ने मिलकर संदीप को पहले हॉकी स्टिक से मारकर घायल कर दिया और फिर लगभग 15 फीट दूर झाड़ियों के बीच संदीप की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद मृतक की पत्नी को ओरमांझी ले जाकर छोड़ दिया। इस मामले में एक आरोपी, जिसने सुपारी की राशि ली थी, उसकी गिरफ्तारी बाकी है।

बच्चे के गले में अटका मटर का दाना, मौत

LOHARDAGA : कैरो थाना क्षेत्र के गुड़ी करंज टोली में मटर खाने के दौरान गले में मटर का दाना फंस जाने के कारण डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। मृतक बच्चा गुड़ी करंज टोली निवासी खुदी उरांव का पुत्र शिवम उरांव है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को बच्चे के परिजनों द्वारा खेत से मटर सहित पौधा उखाड़कर घर लाया गया था। डेढ़ वर्षीय मासूम खेलते हुए मटर खा रहा था। इसी क्रम में मटर का दाना बच्चे के गले में फंस गया। इससे बच्चे की स्थिति बिगड़ने लगी। परिजनों ने बच्चे को सदर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर द्वारा बच्चे की जांच करते हुए मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मागे पोरोब में ढोल-मांदर पर खूब झूमे हो समाज के लोग

ढोल व मांदर पर सामूहिक नृत्य करतीं समाज की महिलाएं • फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : आदिवासी मित्र मंडल चक्रधरपुर में शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ आदिवासी हो समाज का सबसे बड़ा सृष्टि रचना का पर्व मागे पोरोब मनाया गया। आदिवासी मित्र मंडल में शहर के पोटका स्थित परिसर में आयोजित मागे पोरोब में आदिवासी हो समाज का जुटान हुआ। पोरोब में आमंत्रित किए गए हो समाज के गणमान्य और प्रबुद्धजन शामिल हुए। आदिवासी मित्र मंडल के देशाउली स्थल में दियुरी बहादुर सुरीन ने दोपहर में मागे पोरोब बोंगा बुरु किया और सबकी खुशहाली, समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। इसके बाद आगंतुक मागे पोरोब में पारंपरिक वेशभूषा धोती-साड़ी में आखड़ा में शामिल हुए और सामूहिक नृत्य में शामिल होकर आनंद लिया। देर रात तक हो समाज के लोग पारंपरिक वाद्य यंत्रों नगाड़ा, मांदर, दुमंग की थाप पर लोकनृत्य के सागर में गोते लगाते रहे। इस दौरान अतिथियों के साथ मागे पोरोब में आए आदिवासी मित्र मंडल के पूर्व पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। आंगतुकों के बीच लेटे (प्रसाद के रुप में खिचड़ी) का वितरण किया गया।

वाटर फिल्टर प्लांट में घुसे अपराधी, गार्ड को पीट कर लूटे कीमती सामान

RAMGARH : रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में सीसीएल क्वार्टर में बने वाटर फिल्टर प्लांट पर अपराधियों ने धावा बोला। गुरुवार की देर रात अपराधियों ने सुरक्षा गार्ड को पीटा और फिल्टर प्लांट के अंदर घुस गए। यहां उन्होंने ग्रिल और गेट को खोलकर कई कीमती सामान लूट लिए। अपराधियों से छुपाकर सुरक्षा गार्ड ने वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी जब तक पुलिस वहां पहुंचती तब तक अपराधी सामान लूट कर भाग चुके थे। वाटर फिल्टर प्लांट पहुंचे सीसीएल के वरीय अधिकारियों ने सुरक्षा कर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। सीसीएल के सुरक्षा प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद अपराधियों की संख्या 30 से 35 होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि जितने कर्मी घायल हैं उन लोगों ने बताया कि बड़ी संख्या में अपराधी वह पहुंचे और सभी को घेर लिया। अपराधियों ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पर धावा बोला और यहां मौजूद जवानों को बुरी तरह घायल कर दिया। पुलिस के आने से पहले ही लुटेरों का गैंग फरार हो गया था। चार जवानों को काफी चोट लगी है। जिनमें दो की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है।

रजरप्पा से लापता हुई लड़की को लेकर बढ़ता जा रहा दो संप्रदायों में तनाव

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र से लापता हुई 28 वर्षीय लड़की को लेकर दो संप्रदायों में तनाव बढ़ता जा रहा है। एक तरफ जहां लड़की के घर वाले और समाज के लोग उतावले हो रहे हैं, वहीं दूसरे समुदाय के लड़के के परिवार वाले भी दहशत में हैं। यह मुद्दा तब और ज्यादा चर्चित हुआ जब शुक्रवार को गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने इस मामले पर टिप्पणी कर दी। उन्होंने पुलिस को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि लड़की वापस नहीं आ रही है जिसे लेकर समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अगर किसी भी तरह का विवाद होता है तो उसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। रजरप्पा थाना क्षेत्र के चितरपुर की एक लड़की खुशबू (काल्पनिक नाम) मुस्लिम समुदाय के एक लड़के मो गालिब उर्फ राजा पिता मुख्तार खान के साथ चली गई थी। खुशबू के परिजनों ने इस मामले में नौ फरवरी को ही लड़की के लापता होने की सूचना थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने जब छानबीन की तो पता चला कि यह मामला गुमशुदगी का नहीं, बल्कि प्रेम प्रसंग का है। रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने इस मामले की सूचना लड़की के परिजनों को दी। साथ ही फोन पर बात भी कराई। पुलिस ने बताया कि लड़की अपने परिवार वालों के साथ संपर्क में है। आगे की कार्रवाई के लिए परिजनों की ओर से आवेदन दिया जाएगा, तो उस आधार पर भी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले को लेकर लड़की के परिवार और समाज के लोगों ने गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी से मुलाकात की।

गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी से बात करते लोग • फोटोन न्यूज

छत्तीसगढ़ में शहीद पलामू का लाल पंचतत्व में हुआ विलीन

AGENCY PALAMU : छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली हमले में पलामू का लाल सीआरपीएफ जवान महिमा शुक्ला शहीद हो गए। 11 फरवरी को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आईईडी विस्फोट में पलामू जिले के नीलांबर पितांबरपुर (लेस्लीगंज) के कमलकेडिया के रहने वाले महिमा शुक्ला गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। उनके दोनों पैर जख्मी हो गए थे। उनका इलाज किया जा रहा था। इसी क्रम में गुरुवार को उनका निधन हो गया। शुक्रवार सुबह जवान का पार्थिव शरीर उनके घर पर लाया गया और फिर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम विदाई देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। महिमा शुक्ला अमर रहे के नारे लगाए गए। अंतिम विदाई देते समय हर किसी की आंखें नम थी। चतरा सांसद कालीचरण सिंह, पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता समेत अन्य लोगों ने जवान को सलामी दी।

शव का अंतिम दर्शन करते लोग • फोटोन न्यूज

महिमा शुक्ला केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में हवलदार के पद पर तैनात थे। 11 फरवरी को महिमा शुक्ला नक्सल विरोधी अभियान पर निकले थे। इसी क्रम में आईईडी की चपेट में आ गए थे। इस विस्फोट में उनके दोनों पैर उड़ गए थे। उन्हें इलाज के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर में भर्ती करवाया गया था। वह 10 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। उनके शहीद होने की खबर के साथ ही पूरे पलामू में मातम का माहौल छा गया। पैतृक गांव कमलकेडिया में शोक की लहर है। महिमा शुक्ला लंबे वक्त से छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात थे।

ट्रक ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, मौत

PALAMU : पलामू जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र के बीमोड़ के समीप एक ट्रक एवं बाइक में जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी। युवक की पहचान पाटन के कुड़वा सिरमा के रंजीत चौधरी के रूप में हुई है। शुक्रवार को रंजीत के शव का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में किया गया। बताया जाता है कि रंजीत चौधरी विश्रामपुर प्रखंड के बघमनवां में अर्जुन चौधरी के यहां शादी समारोह में मोटरसाइकिल से जा रहे थे। जैसे ही बीमोड़ से बिश्रामपुर की ओर बढ़े, अचानक सामने से ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विश्रामपुर थाना प्रभारी ने शव को कब्जे में लिया एवं पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच भेज दिया।

सिदगोड़ा में निकली भव्य शोभायात्रा उमड़ा भक्तों का सैलाब, हुई पुष्पवर्षा

PHOTON NEWS JSR: सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम परिसर में बने श्रीराम मंदिर के पंचम वर्षगांठ पर सूर्य मंदिर समिति द्वारा धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे न्यू बारीडीह क्षेत्र के सुगना कॉलोनी स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से सुसज्जित रथ पर मर्मज्ञ कथा वाचक आचार्य राजेंद्र जी महाराज, प्रयागराज महाकुंभ के साधु-संतों एवं श्रीराम दरबार और वीर बजरंगबली की मनोरम झांकी, घोड़े, डीजे संगीत, आतिशबाजी व केसरिया ध्वजों के साथ निकाली गई शोभायात्रा में शहर के हजारों श्रद्धालुओं के संग राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास एवं संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह भी शामिल हुए। भगवान श्रीराम की शोभा यात्रा को देखने और स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर भारी भीड़ मौजूद रही। महिलाएं, बच्चे, पुरुष सभी ने जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए शोभा यात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभा यात्रा में रघुवर दास ने माथे पर श्रीरामायण लेकर नंगे पैर पैदल यात्रा की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों ने शिविर लगाकर सेवा प्रदान की। पूरे रास्ते में आतिशबाजी, भक्तिमय संगीत और जय श्री राम के ओजस्वी नारों से पूरा क्षेत्र भगवामय हो गया। यात्रा बारीडीह मुख्य सड़क, बारीडीह गोलचक्कर, सिदगोड़ा 28 नंबर रोड होते हुए सूर्यधाम पहुंची। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि 22 से 28 फरवरी तक सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में दोपहर 3 बजे से संगीतमय श्रीराम कथा होगी।

शोभायात्रा में सिर पर रामायण रखकर पैदल चलते पूर्व सीएम रघुवर दास

अफीम के खेत में काम कर रहे ग्राम प्रधान सहित चार गिरफ्तार

KHUNTI : अफीम की खेती के खिलाफ खूंटी जिला पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से शुक्रवार को अफीम के फल में चीरा लगाते एक ग्राम प्रधान सहित चार लोगों को मौके पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में अड़की थानांतर्गत ग्राम गुरबेड़ा के ग्राम प्रधान गुरुदयाल सिंह मुंडा (56) तथा गितिलबेड़ा गांव के ठेबा मुंडा (51) को अफीम के फल में चीरा लगाने के दौरान रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ग्राम प्रधान की निशानदेही पर उसके द्वारा पुआल में छुपाकर रखे गए लगभग 919 ग्राम अवैध अफीम को बरामद किया गया। बरामद अफीम का मूल्य चार लाख 59 हजार 500 रुपए बताया गया। इनके अलावा खूंटी थाना क्षेत्र के ओंडरा गांव निवासी इमरान खान (31) तथा सायको थाना क्षेत्र के दुरूडीह गांव निवासी लाखा पाहन (38) को भी अफीम के खेत में काम करने के दौरान मौके पर गिरफ्तार किया गया।

?यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक ने शुक्रवार शाम अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

सरायकेला-खरसावां जिले में खेलकूद व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिए गए कई सुझाव

हर तीन महीने पर होगी 'दिशा' की बैठक : संजय सेठ

PHOTON NEWS SERAIKELA : समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की। इस दौरान जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सांसद सिंहभूम जोबा मांझी, सांसद खूंटी कालीचरण मुंडा, विधायक खरसावां दशरथ गागराई, विधायक ईचागढ़ सविता महतो, जिला परिषद के अध्यक्ष सोनाराम बोदरा व उपविकास आयुक्त आशीष अग्रवाल भी उपस्थित थे।

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ • फोटोन न्यूज

बैठक में समिति के अध्यक्ष संजय सेठ ने कहा कि दिशा की बैठक हर 3 महीने में होगी, जिसमें विकास योजनाओं की कार्य-प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ बैठक में प्राप्त शिकायतों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कहा कि विभाग अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि को दें। इसके साथ ही विभाग स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन कराएं, ताकि जनप्रतिनिधि योजनाओं पर निगरानी रखें, योजनाओं को निश्चित समयावधी मे पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान कर सकें। सेठ ने कहा कि खेल एवं पर्यटन के क्षेत्र में जिला को आगे बढ़ाने के लिए कार्य योजना निर्धारित करें, ताकि जिले के युवाओं को खेल की क्षेत्र में आगे आने का अवसर प्राप्त हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुदूर गांव के अंतिम पायदान पर खडे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। योजनाओं का विभिन्न माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कर सभी योग्य लाभुकों को जोड़े। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग द्वारा विकास योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। योजनाओं को निश्चित समय में पूर्ण करें, ताकि योजनाओं के उद्देश्य को पूर्ण किया जा सकें।

बैठक के क्रम में मंत्री ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करने की दिशा में कार्य करें। सभी स्वास्थ्य उप स्वास्थ्य केंन्द्रो में डॉक्टर, एएनएम, सीएचओ की उपस्थिति सुनिश्चित करें, आगे उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल, शौचालय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, सभी विद्यालयों में छात्रों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधा, खेलकूद सामग्री की उपलब्धता तथा आवासीय विद्यालय में शत-प्रतिशत योग्य छात्र-छात्राओं का नामांकन हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विद्युत, खाद्य आपूर्ति, पेयजल एवं स्वच्छता, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, केसीसी, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पथ निर्माण विभाग समेत विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का निपटारा तय समयसीमा के अंदर करें। जो गांव और टोले बिजली सेवा से वंचित हैं, वहां बिजली सेवा शुरू करने, जर्जर बिजली खंभों को बदलने, झूलते तार को यथाशीघ्र दुरुस्त करने, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लंबित कार्य में तेजी लाने, योजना अंतर्गत कार्य में लापरवाही बरतने तथा तय समय में कार्य नहीं पूर्ण करने वाले संवेदकों पर नियमानुसार कार्रवाई करने, हर-घर जल-नल योजना से सभी गांव-टोला को जोड़ने, खराब चापाकल-जलमीनार को चिह्नित कर मरम्मत के लिए कार्य योजना निर्धारित करने, विभिन्न औद्योगिक संस्थान द्वारा प्रदूषण संबंधित प्राप्त शिकायत पर जांचोपरांत कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा प्राकृतिक आपदा के कारण घर गिरने पर लाभुक को चिह्नित कर आवास योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया।

मातृभाषा दिवस पर कवियों ने विभिन्न भाषाओं के बिखेरे रंग

कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकार • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने कहा कि मातृभाषा का विकास और उसे रोजगार के अवसरों से जोड़ना जरूरी है। डॉ. संजय यादव ने मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान का अहम हिस्सा है। कविता सत्र की शुरूआत डॉ. लता मानकर प्रियदर्शनी ने की, जबकि इसके बाद डॉ. बसुंधरा रॉय ने अपनी कविता का पाठ किया। इसमें भाषा की विविधता और एकता की झलक देखने को मिली। गणेश बंद मुर्मू ने संथाली भाषा के सम्मान में लोकगीत पढ़े। उर्दू कवि अहमद बद्र ने अपनी गजलें सुनाईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ. अमर सिंह और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. संजय संजय यादव सहित अन्य अतिथि कवि मौजूद रहे।

सख्ती : रिम्स परिसर में अब बिना पास के एंट्री पर लगाई जाएगी बैन

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में अगले माह के पहले दिन से एक नया सिस्टम लागू होने जा रहा है, जिसके तहत बिना पास के किसी को भी अस्पताल परिसर में एंट्री नहीं दी जाएगी। यह व्यवस्था अस्पताल में सुरक्षा को बढ़ाने और परिसर के भीतर बढ़ रही असुविधाओं को कम करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। इतना ही नहीं अब अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टरों और स्टाफ को भी आईकार्ड लगाना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अब तक बिना पास के वाहन और लोग अस्पताल परिसर में आ-जा सकते थे। लेकिन, अब यह नई व्यवस्था सख्ती से लागू होगी। नए सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अस्पताल के सभी डॉक्टरों, नर्स और अन्य स्टाफ चाहे वे आउटसोर्स ही क्यों न हों, उन्हें अस्पताल के परिसर में प्रवेश करने के लिए अपने पास एक अनिवार्य आईकार्ड पहनना होगा। यह कदम अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों की पहचान को भी सुनिश्चित करेगा। अस्पताल की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए उठाया गया है। आइकार्ड के बिना किसी भी कर्मचारी को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सभी को 26 फरवरी तक पास कलेक्ट करने का आदेश दिया गया है।

सिस्टम सुधारने और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए प्रबंधन ने उठाया बड़ा कदम

26 फरवरी तक सभी को डीएमएस से पास कलेक्ट करने का दिया आदेश

- 1 मार्च से लागू हो जाएगी नई व्यवस्था, बेवजह जाम से मिलेगी निजात
- डॉक्टरों सहित सभी स्टाफ को आईकार्ड लगाना किया गया अनिवार्य

कैंपस से हटाई जाएंगी दुकानें, कराई जा रही बाउंड्री

अस्पताल परिसर में सैंकड़ों दुकानें लग रही है। अब बाउंड्री कराई जा रही है। इसके बाद परिसर में लगने वाली दुकानें हटाई जाएंगी। उन्हें परिसर में अन्य जगह पर व्यवस्थित करने की तैयारी है। इसके अलावा अवैध रूप से चल रहीं दुकानों पर भी कार्रवाई की तैयारी है।

ओपीडी और इमरजेंसी वाली गाड़ियों को छूट

अस्पताल प्रशासन ने ओपीडी और इमरजेंसी डिपार्टमेंट में आने वाली गाड़ियों के लिए विशेष छूट देने का निर्णय लिया है। इन गाड़ियों को मरीजों को लाने और ले जाने के लिए परिसर के भीतर प्रवेश करने की अनुमति होगी। इस व्यवस्था से मरीजों और उनके परिवारों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों में उन्हें रोका नहीं जाएगा। यह छूट केवल उन वाहनों को मिलेगी जो मरीजों को अस्पताल लाने और ले जाने के लिए अस्पताल परिसर में आएंगे।

बाहरी वाहनों को नहीं मिलेगा प्रवेश

रिम्स के नए दिशा-निर्देशों के तहत अस्पताल परिसर में बाहर से आने वाले किसी भी टू व्हीलर और चार पहिया वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। रिम्स प्रशासन का कहना है कि हर दिन 3000 से अधिक गाड़ियां अस्पताल परिसर में आती हैं, जिससे न केवल ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न होती है, बल्कि सुरक्षा भी एक बड़ी चिंता बन जाती है। नए नियम के लागू होने के बाद अस्पताल के बाहर पार्किंग होगी। केवल मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल तक लाने के लिए वाहनों को अंदर आने की अनुमति होगी।

BRIEF NEWS

धुर्वा में महिला से डेढ़ लाख रुपये की लूट

RANCHI : राजधानी में इन दिनों हत्या, चोरी, डकैती और लूट की वारदतें बढ़ गई है। ताजा मामला रांची के धुर्वा की है। यहां धुर्वा थाना क्षेत्र में एक महिला से डेढ़ लाख की लूट हुई है। महिला का नाम बिंदु देवी बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, महिला अपने देवर के साथ धुर्वा स्थित एसबीआई बैंक गई थी। उसे अपनी बेटी का नर्सिंग में एडमिशन करवाने के लिए पैसे निकालने थे। डेढ़ लाख निकालने के बाद वह घर जा रही थी, इसी दौरान पहले से घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने बिंदु देवी के पैसे लूटे और मौके से फरार हो गए।

आज हरमू में 11.30 से 3 बजे तक रहेगा पावर कट

RANCHI : आरडीडीएस योजना के तहत विद्युत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए विद्युत शक्ति उपकेंद्र झ हरमू में काम किया जाएगा। इसके कारण हरमू के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। हरमू के न्यू हरमू फीडर और ओल्ड हरमू फीडर में बिजली आपूर्ति दिन में 11:30 से 3:00 बजे तक बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे बिजली से जुड़े आवश्यक कार्य को समय से पूर्व कर लें। विद्युत आपूर्ति से संबंधित जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के पावर हाउस से संपर्क कर सकते हैं।

राज्य सेवा के अफसर विपिन उरांव की वेतन वृद्धि पर रोक

RANCHI : झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विपिन उरांव पर विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने, इंदिरा आवास योजना के मासिक योजना रिपोर्ट देने में लापरवाही बरतने और बैंक खातों को बंद करने में देरी करने का आरोप लगा है। इन आरोपों के कारण उनकी असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक का दंड अधिरोपित किया गया है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें विपिन उरांव के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि विपिन उरांव को प्रखंड विकास पदाधिकारी पोटका पूर्वी सिंहभूम में पदस्थापन के अवधि में कई आरोप लगे हैं।

झारखंड में वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए नए नियम लागू

RANCHI : परिवहन विभाग, झारखंड ने वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए नए नियम तय किए हैं। इसके तहत परिवहन वाहनों के संबंध में फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीकरण में संशोधन किया गया है। इसमें वाहनों के फिटनेस टेस्ट के लिए स्वचालित परीक्षण स्टेशनों की अनिवार्यता कर दी गई है। आठ वर्षों तक पुराने वाहनों के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता 2 वर्ष होगी। आठ वर्षों से अधिक पुराने वाहनों के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र की वैधता 1 वर्ष होगी। भारी माल वाहक, भारी यात्री वाहन और हल्के मोटर वाहन प्रवर्ग के वाहनों के लिए स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से फिटनेस टेस्ट अनिवार्य होगा। जहां रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण की अधिकारिता में स्वचालित परीक्षण स्टेशन परिचालित है, वहां वाहनों के फिटनेस टेस्ट केवल ऐसे स्टेशनों के माध्यम से किए जाएंगे।

जयंती पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को बाबूलाल मरांडी ने किया नमन

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कवि और उपन्यासकार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हिंदी कविता के छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ, सुप्रसिद्ध कवि और उपन्यासकार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया है।

पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव ने सड़क सुरक्षा को लेकर की मीटिंग

सड़कें अच्छी होंगी तो राज्य की छवि भी बेहतर बनेगी : सचिव

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने राज्य में सड़क सुरक्षा और सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर बैठक की। इसमें उन्होंने कई अहम निर्देश जारी किया है। उन्होंने विभागीय इंजीनियरों से कहा कि राज्य के पथ प्रमंडल और राष्ट्रीय उच्च पथ पर स्थित सभी सड़कों की सरफेस को समतल किया जाए, ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके और दुर्घटनाओं के खतरे को कम किया जा सके। यह बातें उन्होंने शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में आयोजित पथ निर्माण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में कही। साथ ही कहा कि अच्छी सड़कों और सुचारू यातायात व्यवस्था से राज्य की गरिमा बढ़ेगी और लोगों में सरकार के प्रति सकारात्मक धारणा बनेगी। उन्होंने विभाग को आदेश दिया कि सड़कें जितनी अच्छी होंगी, राज्य की छवि उतनी ही बेहतर होगी। यातायात संचालन के लिए यह आवश्यक कदम हैं। बैठक में पथ प्रमंडल और राष्ट्रीय उच्च पथ के कार्यपालक अभियंता, सभी अंचलों के अधीक्षण अभियंता तथा पथ निर्माण विभाग के अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। अभियंता प्रमुख संजय कुजूर, विशेष सचिव शशांक सिन्हा, मुख्य अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ अभिनेंद्र कुमार, मुख्य अभियंता यातायात मनोहर कुमार और प्रधान सचिव के ओएसडी विजय कुमार मौजूद थे।

राष्ट्रीय उच्च पथ पर स्थित सभी सड़कों के सरफेस को समतल करने पर दिया जोर

रिपेयरिंग की जरूरत हो तो विभाग को भेजें प्रस्ताव

सुनील कुमार ने यह भी कहा कि यदि किसी सड़क की लंबाई अधिक हो और उसकी रिपेयरिंग की जरूरत है तो विभाग इसके लिए प्रस्ताव भेजे। विभाग संबंधित राशि उपलब्ध कराएगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि योजनाओं के लिए आवंटित राशि का पूरी तरह से उपयोग किया जाए। किसी भी हालत में राशि लैप्स न हो इस बात का भी ध्यान रखें। विभाग को सभी योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। बैठक में सचिव ने विभागीय अधिकारियों को सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों को तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के कार्यों का अध्ययन कर तैयार करें रिपोर्ट

सुनील कुमार ने जुडको को निर्देश दिया है कि शहरीकरण से संबंधित दूसरे राज्यों में एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों का अध्ययन कर राज्य में समेकित शहरी आधारभूत संरचना के विकास के लिए योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि इन योजनाओं में शहरों की विशिष्टता और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अन्य विभागों के साथ तालमेल बनाकर परियोजनाएं तैयार की जानी चाहिए। प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में एडीबी के शहरीकरण विशेषज्ञ मोमोटो नीटा टाडा और परियोजना अधिकारी विशाल कुमार ने जुडको के अधिकारियों के साथ मिलकर पेयजलापूर्ति और अन्य योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की। एडीबी के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे रांची और धनबाद की सीवरेज परियोजनाओं पर काम करना चाहते हैं। इसके लिए डीपीआर भी तैयार हो चुका है। प्रधान सचिव ने कहा कि शहरीकरण की तेजी को देखते हुए सभी शहरों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए समेकित शहरी आधारभूत संरचना की योजनाएं बनानी चाहिए। उन्होंने जुडको से कहा कि वे एडीबी द्वारा किए गए कार्यों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करें, ताकि राज्य में शहरी विकास के बेहतर अवसर उत्पन्न हो सकें।

रांची में हर्ष फायरिंग कैटरर की गई जान

RANCHI : राजधानी रांची के इटकी इलाके में गुरुवार देर रात एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग की घटना में एक कैटरर की मौत हो गई है। मामले को लेकर इटकी थाना की पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना रांची के इटकी थाना क्षेत्र के तिलकसूती गांव की है। गांव में गुरुवार को जयश्री दास की बेटी की शादी हो रही थी। इसी दौरान जिस स्थान में खाने का इंतजाम था वहां अचानक फायरिंग हो गई और गोली कैटरर रविन्द्र लोहरा को लग गई। कैटरर को गोली लगने के बाद उसे जमीन पर तड़पता देख शादी समारोह में भगदड़ मच गई। शादी समारोह से लोग तुरंत निकल गए। इस बीच आनन-फानन में घायल कैटरर रविन्द्र को इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बेड़ो डीएसपी अशोक राम और इटकी थानेदार अभिषेक कुमार मौके पर पहुंचे और बारात में शामिल लोगों से पूछताछ की। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। बारात में शामिल लोगों ने पुलिस को बताया कि शादी समारोह के दौरान कुछ लोग खाना-पीना कर रहे थे। उन्हीं में से किसी ने गोली चलाई थी। इस संबंध में इटकी थानेदार अभिषेक ने बताया की बारात में गोली चलने की वजह से कैटरर रविन्द्र की मौत हो गई है।

अमन श्रीवास्तव को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में हजारीबाग के गिद्दी थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट मामले में आरोपित अमन श्रीवास्तव की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के तहत हजारीबाग एसपी सशरीर उपस्थित हुए। अदालत को बताया गया कि मामले में अनुसंधानकर्ता (इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर) की गवाही पूरी कर ली गई है। गवाही के दौरान कई तारीखों पर उनकी अनुपस्थिति को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। याचिकाकर्ता की ओर से जमानत याचिका वापस लेने का अनुरोध किया गया, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। इस मामले में कोर्ट के निर्देश पर हजारीबाग के सब डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) ने जवाब दाखिल किया था, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि कि हजारीबाग एसपी को मामले मे शपथ पत्र दाखिल कर बताना था कि गवाही में अनुपस्थित रहने वाले अनुसंधानकर्ता के खिलाफ क्या एक्शन लिया गया है। गौरतलब है कि मामले में सिर्फ अनुसंधानकर्ता की ही गवाही बची थी। नवंबर 2024 से उनकी गवाही नहीं हो पा रही है, जिससे ट्रायल पूरा नहीं हो सका है।

- सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के तहत हजारीबाग एसपी हुए उपस्थित
- बताया- मामले में इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर की गवाही कर ली गई पूरी
- नवंबर 2024 से नहीं हो पा रही थी अनुसंधानकर्ता की गवाही

आज से खेलगांव के टाना भगत इंडोर स्टेडियम में जुटेंगे खिलाड़ी

रांची में सीनियर पुरुष नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप, 600 खिलाड़ी लेंगे भाग

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य हैंडबॉल महासंघ और हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन में 53वां सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 22 से 26 फरवरी 2025 तक रांची में होगा। टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में ये आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में देशभर से लगभग 30 टीमें भाग लेंगी। जिसमें सर्विसेज, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली जैसी प्रमुख टीमें शामिल हैं। टूनार्मेंट में करीब 600 खिलाड़ी और कोच हिस्सा लेंगे। इनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी होंगे। चैंपियनशिप का उद्घाटन 22 फरवरी 2025 को होगा। उद्घाटन समारोह में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जबकि झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगी। चैंपियनशिप के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व धीरज प्रसाद साहू करेंगे। इस समिति में अनुभवी खेल प्रशासकों, सरकारी अधिकारियों और खेल प्रेमियों को शामिल किया गया है। जिससे कि टूनार्मेंट की पूरी व्यवस्था और संचालन सुचारु रूप से हो सके। 53वां सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबलों से भरा होगा।

उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में झारखंड जगुआर ने बनाई अलग पहचान : डीजीपी

RANCHI : शुक्रवार को टेंडर ग्राम स्थित कैंप में झारखंड जगुआर का 17वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर डीजीपी अनुराग गुप्ता शामिल हुए। गौरतलब है कि झारखंड में वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन के लिए विशेष बल झारखंड जगुआर (एसटीएफ) का गठन साल 2008 में किया गया था। डीजीपी ने कहा कि एसटीएफ ने राज्य में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में सफलतापूर्वक कार्रवाई करते हुए पिछले 17 साल में एक नई बुलंदी हासिल की है। इन 17 वर्षों के सफर में कई वीर जवानों को खोया है। आईजी अनुप बिरथरे ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड जगुआर के विगत 17 सालों में उग्रवाद उन्मूलन की दिशा में उपलब्धियों को साझा किया है। चाहे पारसनाथ की ऊंची पहाड़ियां हो या सारंडा के घने जंगल, चाहे बूढ़ा पहाड़ का दुरूह इलाका हो अथवा पारसनाथ पहाड़ का दुर्गम क्षेत्र, झारखंड जगुआर ने अपनी शौर्यपूर्ण उपस्थिति सभी जगह दर्ज कराई।

राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा का राज्य स्तरीय मिनी तरबियती कैंप का आयोजन

हम सभी को मिलकर अपने इतिहास, मुल्क और संविधान को बचाना है : चांद मोहम्मद

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा का झारखंड राज्य स्तरीय मिनी तरबियती कैंप इरबा, सेंटर मार्केट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता प्रोफेसर जमशेद कमर, पूर्व उर्दू विभाग अध्यक्ष रांची यूनिवर्सिटी रांची, मार्गदर्शक वामन मेश्राम, प्रशिक्षक चांद मोहम्मद, राष्ट्रीय प्रभारी- राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा, नई दिल्ली, अधिवक्ता विजय प्रताप भारती, प्रदेश प्रभारी, बामसेफ और मोहम्मद माजिद अंसारी, कोकदरो, इम्तेसाम अली, परपोती शेख भिखारी, हाजी रुस्तम अली, इरबा, बामसेफ, झारखण्ड, सांभा हालत खान हाजी महबूद्दीन आलम, शाहिद रजा अंसारी सीसी कमेटी मेंबर मौजूद थे। मौके पर चांद मोहम्मद ने कहा कि यह तरबियती कैंप ईवीएम से चुनाव के विरोध में, ओबीसी जातिगत आधारित जनगणना के समर्थन में, वक्फ बोर्ड अमेंडमेंट बिल के खिलाफ समेत आदिवासियों की पांचवीं छठवीं अनुसूची को लागू करने के लिए और उनके जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा के लिए आयोजित की गई। हम सभी को मिलकर अपने इतिहास, मुल्क और संविधान को बचाना है। इसका बुनियादी मकसद मुसलमानों की समाजी और सियासी जडों को मजबूत करना, कौम के हक की लड़ाई लड़ने के लिए कौम के अन्दर समाजी बेदारी और फिक्र पैदा करना।

आज नियोजनालय परिसर में लगेगा रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगी नौकरी

राजधानी में बेरोजगारों को रोजगार देने का खुला दरवाजा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के बेरोजगार युवकों और युवतियों के लिए बड़ी खुशखबरी। 22 फरवरी को रांची नियोजनालय में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें दसवीं पास से लेकर इंटर, ग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट और बीटेक पास स्टूडेंट के लिए रोजगार प्राप्त करने का मौका हासिल होगा। हेमंत सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में युवाओं को रोजगार देने पर खास फोकस करना शुरू कर दिया है। यह रोजगार मेला श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की ओर से लगाया जा रहा है। सैलरी योग्यता, अनुभव और पद के अनुसार मिलेगी। हालांकि न्यूनतम वेतनमान 7 हजार रुपये प्रति माह और अधिकतम वेतनमान 45 हजार है। रांची नियोजनालय परिसर में सुबह 10:30 बजे से रोजगार मेला लगेगा। इसमें रांची की 22 कंपनियां शामिल होंगी, जो युवाओं का टेस्ट लेकर उन्हें नौकरी उपलब्ध कराएंगी।

दसवीं क्लास से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक की डिग्री वालों के लिए है बेहतरीन मौका

1530 पदों पर होगी बहाली, ₹7000 प्रति माह से लेकर अधिकतम मिलेंगे ₹45000

इन पदों पर की जाएगी बहाली

रानी हॉस्पिटल में स्टाफ नर्स (मेल/फीमेल) की जरूरत है। इस पद पर यहां कुल 6 लोगों की जरूरत है। इसके अलावा द वसपोल इंडस्ट्रीज एलटीडी रांची में रिसर्च केमिस्ट के 04 पद , प्रेमसंस मोटर्स उद्योग पीवीटी के 15 पद, हातमा रांची सेल्स टीम लीडर के 4 पद, टेली कॉलर में वर्कशॉप मेनेजर के 03 पद, ट्रेनर 02 पद, शिवा प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड में सिक्योरिटी गार्ड के 40 पद, सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 20 पद, आरोहण रांची फाइनेंसियल सर्विसेज लिमिटेड में कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव के 20 पद रिसेबल एग्जीक्यूटिव के 10 पद, रांची पेशेंट केयर सर्विसेज बरियातू रांची के होम केयर नर्स के 40 पद, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक रांची में ट्रेनी क्रेडिट अफसर 100 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

एंप्लॉयमेंट एक्सचेंज में रजिस्टर्ड होना जरूरी

इस रोजगार मेला में हॉस्पिटल, फाइनेंस कंपनी, बीमा कंपनी, प्राइवेट फाइनेंस बैंक, रियल एस्टेट डेवलपर, सिक्योरिटी गार्ड एजेंसी और होटल इंडस्ट्री सहित कूरियर कंपनियां बेरोजगारों को 1530 पदों पर नियुक्त करेंगी। विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई है कि रोजगार मेला में शामिल होने के लिए बेरोजगारों को नियोजनालय में रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। वैसे लोग जिन्होंने अभी तक निबंध नहीं कराया है, वे अपने नजदीकी नियोजनालय में जाकर कल तक भी निबंध कर सकते हैं। जिनका निबंध पहले हो चुका है, उन्हें नया निबंधन करने की जरूरत नहीं है। रोजगार मेला में अपने निबंधन के आधार पर अभ्यर्थी कंपनियों के समक्ष अपने प्रमाण पत्र उपस्थित कर सकते हैं। इसके बाद काम के अनुरूप उनका टेस्ट लिया जाएगा और सफल होने पर उन्हें नौकरी मिलेगी। जानकारी के अनुसार, सबसे अधिक नियुक्ति एलआईसी में बीमा सखी के 158, सिटी करियर एजेंट के 250 और करियर एजेंट के 159 पदों सहित कुल 567 पदों पर नियुक्ति की योजना है। इसके लिए दसवीं पास से स्नातक तक की डिग्री जरूरी है। यह महत्वपूर्ण बात है कि इन पदों के लिए 18 से 70 साल के आयु वर्ग वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू पहुंचे रांची, हुआ जोरदार स्वागत

RANCHI : शुक्रवार को झारखंड कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी के. राजू शुक्रवार को रांची पहुंचे। वह पांच दिनों तक झारखंड की राजनीति पर चर्चा करेंगे। वहीं संगठन को मजबूत बनाने को लेकर भी मंथन करेंगे। प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद यह उनका पहला रांची दौरा है। रांची पहुंचने पर उनका एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। नवनियुक्त प्रभारी का स्वागत पारंपरिक ढोल-नगाड़े और छऊ नृत्य से किया गया। इस दौरान टाना भगत भी बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने पहुंचे थे। एयरपोर्ट से सीधे डोरंडा जाते हुए के राजू ने बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, वीर बुधु भगत, बाबा कार्तिक उरांव, सिदो कान्हो और परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया।

पटेल बीएड कॉलेज में स्टूडेंट्स की काउंसलिंग, प्लेसमेंट पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : पटेल बी एड कॉलेज, लोधमा खूंटी में स्टूडेंट्स काउंसलिंग का आयोजन किया गया। अपने-अपने सबजेक्ट एक्सपर्ट के साथ सभी स्टुडेंट्स ने इस अवसर का लाभ लिया। बीएड करने से किस तरह इसमें अपना करियर बनाया जा सकता है, भविष्य में किस तरह रणनीति बनाकर तैयारी की जाए, क्या टेट अनिवार्य है, नेट कैसे करनी है। इसी तरह के सभी सवालों का टीचर्स ने स्टूडेंट्स को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। साथ मेरे उन्हें आश्वासन दिया कि प्लेसमेंट भी आपको दिया जाएगा। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या, सहायक प्राध्यापक नीरज सर,गौरी,सुषमा, हेमंत, संतोष, सपना, अभिलाषा, आशीष काउंसिलिंग में सम्मिलित हुए तथा स्टूडेंट्स के सभी सवालों समस्याओं को सफलता पूर्वक सॉल्व किया तथा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

झामुमो समर्थित भू-माफिया के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा, दी कड़ी चेतावनी

कोई आदिवासी आस्था को ठेस पहुंचाए, बर्दाश्त नहीं : रमेश हांसदा

PHOTON NEWS JSR: पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आदिवासी सुरक्षा परिषद जमशेदपुर महानगर की ओर से टेल्को थाना परिसर में, विगत दिनों आदिवासी पूजा स्थल पर बनी झोपड़ी उजाड़ने, पूजा स्थल नष्ट करने एवं सरना झंडा उखाड़ कर फेंकने वालों पर उचित कार्रवाई की मांग को लेकर, शांतिपूर्वक धरना दिया गया। धरना के दौरान ही,थाना प्रभारी को मांगपत्र सौंपा गया, जिसमें कहा गया कि विगत 19 जनवरी को आदिवासी कला सांस्कृतिक स्थल सालगाझरी में गुंडागर्दी करते हुए आदिवासी आस्था को ठेस पहुंचाने वाले प्रदीप गुहा उर्फ छोटका एवं अन्य लोगों पर पुलिस प्रशासन कारवाई करे, ताकि क्षेत्र में शांति का माहौल बना रहे। इस अवसर पर आदिवासी सुरक्षा परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष रमेश हांसदा ने कहा कि आदिवासी आस्था को ठेस पहुंचाने वाले और सामाजिक तत्व होशियार हो जाएं,अब आदिवासी समाज जाग चुका है। हम अपने समाज को नीचा दिखाने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

टेल्को थाना के सामने धरना पर बैठे भाजपा कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

इस अवसर पर आदिवासी सुरक्षा परिषद, जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष राम सिंह मुंडा ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपना जीवन यापन करने वाला आदिवासी समाज शांति चाहता है, परंतु कोई लगातार उकसाने का काम करे तो हमें क्रांति करने में भी देर नहीं लगती है।

भाजपा, जमशेदपुर महानगर अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश बास्के ने कहा कि अबुआ दिशुम-अबुआ राज का नारा लगा कर सत्ता हासिल करने वाले झामुमो सरकार में, सबसे ज्यादा आदिवासी समाज के लोगों को ही प्रताड़ित किया जा रहा है, जो बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। विदित हो कि राम सिंह मुंडा के अथक प्रयास से आदिवासी कला सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य के लिए, टाटा स्टील लिमिटेड के भूमि विभाग द्वारा जमीन उपलब्ध कराई गई है। यह कुछ आदिवासी विरोधी मानसिकता रखने वाले भू-माफिया को खटक रहा है। उन भू माफिया को इस जमीन पर अवैध कब्जा करने की मंशा है।

धरना में राम सिंह मुंडा (अध्यक्ष, आदिवासी सुरक्षा परिषद जमशेदपुर महानगर) प्रकाश सांडिल, रुद्रो मुंडा, बबलू करुआ, राम मुखी, जनता सरदार, गौतमजी, शोभा रानी कच्छप, कार्तिक लकड़ा, संतोष सांडिल, फिलिप तिर्की, गणेश मुंडा, अजय सिंह, धन सिंह मुंडा, किशोर महतो, मालती हेंब्रम, सविता मुंडा, रुक्मिणी बेसरा, आशा करुआ, शहर सिंह मुंडा, शिशिर कोले, गंगा लोहरा, सुमन सांडिल, विशाल मुंडा आदि भी उपस्थित थे।

समाचार सार

'रन फॉर वन' के लिए बांटे गए टीशर्ट

GHATSILA : वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार की ओर से रविवार को जमशेदपुर में आयोजित 'रन फॉर वन' के लिए वन विभाग के घाटशिला स्थित कार्यालय में लगभग 3 हजार युवक-युवतियों के बीच टीशर्ट का वितरण किया गया। टी-शर्ट लेने के लिए कार्यालय में भीड़ लगी रही। वन विभाग के पदाधिकारी ने बताया कि 23 फरवरी को मऊभंडार फुटबॉल मैदान से 'रन फॉर वन' शुरू किया जाएगा। रन फॉर वन में प्रथम पुरस्कार 51,000 दिया जाएगा तथा पांचवां पुरस्कार 5100 रखा गया है। इसका उद्देश्य वन संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। आयोजन में एचसीएल-आईसीसी मऊभंडार की भूमिका रहेगी।

महाशिवरात्रि पर 'भोला के बरतिया' हुआ रिलीज

JAMSHEDPUR : अगले सप्ताह आने वाले 'महाशिवरात्रि' के पावन अवसर पर तोमर सत्येंद्र सिंह व एसपी वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से लिखित लोकगीत 'भोला के बरतिया'यूट्यूब पर रिलीज हो गया। शिव भजन को मुंबई की प्रख्यात पार्श्व गायिका सौम्या वर्मा ने अपनी भक्तिपूर्ण आवाज में गाया है। इस गीत की रिकॉर्डिंग मुंबई के अंधेरी में हुई है। संगीत संयोजन मनीष राजा व निर्माण सुनील सिंह के संयोजन में हुआ है। इस गीत को बनाने में विशेष सहयोग योगेश मल्होत्रा ने दिया है।

विधायक ने किया पीसीसी पथ का भूमिपूजन

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के टोकलो थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्र नलिता पंचायत के ग्राम कूदाहातू में मागेपीढ़ी से सरकारी तालाब तक पीसीसी पथ का निर्माण होगा। विधायक सुखराम उरांव ने शुक्रवार को इसका भूमिपूजन किया। सड़क 74 लाख की लागत से बनेगी। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पीरू हेंब्रम, झामुमो नेता अमर बोदरा व प्रदीप महतो भी उपस्थित थे।

जिला परिषद के मार्केट कॉम्प्लेक्स की हुई सफाई

GHATSILA : घाटशिला प्रखंड अंतर्गत इंदिरा मार्केट स्थित बंद पड़े जिला परिषद मार्केट कॉम्प्लेक्स की शुक्रवार को सफाई कराई गई। जिला परिषद के सदस्य कर्ण सिंह ने यह कार्य कराया। कॉम्प्लेक्स में 84 दुकानें और दो हॉल हैं, जिन्हें व्यवस्थित रूप से संचालित करने की योजना बनाई जा रही है। कर्ण सिंह ने बताया कि जो दुकानें अब तक गोदाम के रूप में उपयोग की जा रही थीं, उन्हें खाली कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिल सके। जो बैंक निजी भवनों में चल रहे हैं, उन्हें भी इस मार्केट कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा, यहां साप्ताहिक हाट शुरू करने की भी योजना है।

बैंक कर्मियों ने खूब लगाए नारे

JAMSHEDPUR : विभिन्न मांगों के लिए यूएफबीयू के आह्वान पर 24-25 मार्च को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल होगी। इसे लेकर शुक्रवार को बिष्टुपुर में एसबीआई के पास पोस्टल पार्क में बैंककर्मियों ने प्रदर्शन किया, जिसमें अपनी मांगों को लेकर खूब नारे लगाए। प्रदर्शन में यूएफबीयू के सभी 9 घटक दलों के बैंककर्मी शामिल हुए। धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने में आरबी सहाय, कुंदन कुमार, सुजय राय, अमित कुमार, गौरव कुमार, सत्य प्रकाश, आनंद वर्मा, कुमार देवेंद्र व रिंटू रजक भी शामिल थे।

टाटा-राउरकेला मेमू आज रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के लिए टाटानगर से चलने वाली दो ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर -68043/68044 राउरकेला-टाटा-राउरकेला मेमू पैसेंजर और ट्रेन नंबर - 58151/58152 बादामपहाड़- बरसुन पैसेंजर भी रद्द की गई है। वहीं आद्रा डिविजन में विकासात्मक कार्यों के कारण ट्रेन नंबर 18019/18020 झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम मेमू 24 और 25 फरवरी को रद्द रहेगी। इसके साथ ही ट्रेन नंबर - 68056/68060 टाटा-आसनसोल मेमू 24, 28 फरवरी और 1 मार्च को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर - 18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस 26 व 28 फरवरी को चांडिल-गुंडाबिहार-मुरी के बदले मार्ग से चलेगी। यह नियमित रूप से चांडिल -पुरुलिया-कोटशिला -मुरी के रास्ते चलती है।

स्कूल में बहाली को लेकर बीडीओ से मिले सबर युवक

बीडीओ युनिका शर्मा को ज्ञापन सौंपते सबर युवक ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय, ऊपर पावड़ा घाटशिला में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की बहाली में सबर जनजातियों को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर सबर युवकों ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू भी थीं। ग्रामीणों ने मांग रखी है कि हम सभी चेंगजोड़ा, गहनडीह एवं ऊपर पावड़ा के सबर जनजाति परिवार से हैं। आवासीय विद्यालय में रसोइया, झाड़ूदार एवं रात्रि प्रहरी की बहाली होने की जानकारी प्राप्त हुई है। इसमें हमें प्राथमिकता दी जाए। आदिम जनजाति की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा हम सभी विरोध करने को बाध्य होंगे। हमलोग बेरोजगारी और पलायन से परेशान हैं। बीडीओ युनिका शर्मा ने तत्काल आवेदन पर संज्ञान लेते हुए प्रभारी कल्याण पदाधिकारी को तलब करते हुए मामले की जानकारी ली। उन्होंने सबर युवकों को आश्वासन दिया कि जल्द ही ग्राम सभा के माध्यम से बहाली प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्र में बीएसएनएल टावर बनी शोभा की वस्तु

GHATSILA : भारतीय दूरसंचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मोबाइल कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए दो वर्ष पहले कई गांव में लाखों रुपये खर्च कर टावर लगाया गया था। टावर में उच्च तकनीक से युक्त सोलर प्लेट भी लगाए गए थे। लेकिन, दो साल बाद भी उन गांवों के लोगों को इसकी सुविधा नहीं मिल रही है। बीएसएनएल टावर शोभा की वस्तु बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, बीएसएनएल द्वारा घाटशिला प्रखंड के कालचित्ति पंचायत के कालचिती, बासाडेरा, डाईनमारी, झांटीझरना पंचायत के झांटीझरना, बाघुड़िया पंचायत के मृगीटांड, नरसिंगपुर में टावर लगाया गया है। दो साल के दौरान बीएसएनएल द्वारा टावर लगाने के साथ-साथ लाइन नहीं रहने की स्थिति में सोलर प्लेट, नेटवर्क को लेकर अत्याधुनिक मशीन सभी लगाकर टावर स्थापित किया था।

रघुवर दास ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

जमशेदपुर में लंबित आधारभूत संरचना विकास को शीघ्र पूरा करने की रखी मांग

PHOTON NEWS JSR: पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है, जिसमें जमशेदपुर में लंबित आधारभूत संरचना विकास योजनाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की है। शुक्रवार को प्रेषित पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि जमशेदपुर देश का एक प्रमुख औद्योगिक शहर है, जहां आर्थिक गतिविधियां, भारी वाहनों का परिचालन और अन्य व्यावसायिक कारणों से आम जनता को यातायात जाम और असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारण बहुमूल्य जान-माल की हानि हो रही है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। रघुवर दास ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इन विषयों पर आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

लौहनगरी से जुड़ी प्रमुख मांगें

- **गोविंदपुर ऊपरी पथ व बाईपास निर्माण-** रघुवर दास ने पत्र में लिखा कि 138.74 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन निर्माण कार्य अब तक लंबित है।
- **लिट्टी चौक से स्वर्णरेखा नदी तक एनएच-33 को जोड़ने वाले पुल एवं पथ का निर्माण-**इस योजना का शिलान्यास पहले ही किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। जनहित में टाटा म.टर्स से थीम पार्क होते हुए लिट्टी चौक को एनएच-33 से जोड़ने वाले पथ एवं पुल का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाना आवश्यक है।
- **मानगो में एनएच-33 पर नया इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण-** मानगो पुल के पास स्थित वर्तमान बस स्टैंड को स्थानांतरित करने के लिए एनएच-33 पर नए इंटर स्टेट बस टर्मिनल निर्माण योजना की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन, अब तक केवल बाउंड्रीवाल का निर्माण हुआ है और शेष कार्य अभी भी लंबित है। यदि इस परियोजना को शीघ्र पूरा किया जाता है तो शहर में यातायात दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

विद्यार्थियों को आचरण, लेखन व व्यावहारिक ज्ञान पर देना होगा विशेष जोर : भगवान भाई

परीक्षा के समय तनावमुक्त रहें, सकारात्मक सोच से बढ़ता है आत्मविश्वास

PHOTON NEWS JSR: वर्तमान की परीक्षा में कॉपी ना करें। जो कॉपी करेगा, भविष्य में भी नशा करने की बुरी आदतों की कॉपी करेगा। हैंड राइटिंग सुंदर-स्वच्छ होगा, तब आपका व्यक्तित्व भी स्पष्ट रहेगा। तनाव रहित परीक्षा दें, तब भविष्य में जीवन की हर परीक्षा में तनाव मुक्त हो पास कर सकेंगे। वर्तमान की परीक्षा भविष्य के जीवनभर की परीक्षा का आधार है। उक्त उद्गार माउंट आबू, राजस्थान से आए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने कहे। वे बिष्टुपुर स्थित श्री डीएन कमानी उच्च विद्यालय में वर्तमान की परीक्षा के महत्व विषय पर बोल रहे थे।

डीएन कमानी उच्च विद्यालय में छात्रों को संबोधित करते भगवान भाई

भगवान भाई ने कहा कि जो विषय कमजोर है, उस पर ज्यादा ध्यान दें। बड़ों का आशीर्वाद भी अवश्य लें। भगवान भाई ने कहा कि परीक्षा का समय छात्रों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है, लेकिन यह समय तनाव और दबाव का कारण भी बन सकता है। इस समय सकारात्मक दृष्टिकोण से इस तनाव को कम किया जा सकता है। छात्रों को परीक्षा के दौरान तनाव से मुक्त रखना है। परीक्षा के समय स्वयं को आत्मविश्वास से भरपूर करना है। अपने समय प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच के महत्व पर ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि हमेशा विद्यार्थियों को मूल्यांकन, आचरण, अनुकरण, लेखन, व्यवहारिक ज्ञान इत्यादि पर जोर देना होगा। वर्तमान समाज में मूल्यों की कमी हर समस्या का मूल कारण है। प्रिंसिपल गालू गोराई ने कहा कि नैतिक शिक्षा से ही छात्र-छात्राओं में सशक्तीकरण आ सकता है।

टाटा लीज कमेटी में मंत्री को शामिल करने की मांग

JAMSHEDPUR : झारखंड मूलवासी अधिकार मंच के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर से मुलाकात की और उनसे अनुरोध किया कि टाटा कंपनी के लीज नवीकरण में विस्थापितों के साथ मंत्री दीपक बिरुवा को भी शामिल किया जाए। मंच के मुख्य संयोजक हरमोहन महतो ने कहा कि टाटा कंपनी के लीज नवीकरण में उद्योग, समाजसेवा, खेल, कला, संस्कृति कॉलम रखा गया है, लेकिन विस्थापितों को इस कमेटी में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि लीज नवीकरण कमेटी को पहले भंग किया जाए और उसके बाद विस्थापितों को भी शामिल किया जाए।

अफीम की खेती करते नाबालिग सहित तीन किए गए गिरफ्तार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में टेबो थाना क्षेत्र के ग्राम सोंगरा में अफीम की अवैध रूप से खेती करते हुए एक नाबालिग सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक युवक फरार है। जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस अफीम की अवैध खेती की रोकथाम के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चला रही है। अब तक 500 एकड़ से अधिक खेती नष्ट की गई है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि टेबो थाना क्षेत्र के ग्राम सोंगरा में अफीम की अवैध खेती की जा रही है। सूचना मिलते ही टेबो थाना की पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंची। इस दौरान चार लोगों को अफीम के खेत में चीरा लगाते देखा गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से तीन लोगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक खूंटी जिला के मुरहू थाना अंतर्गत गुटिगढ़ा निवासी पिता स्व. दारू ओड़ेया के पुत्र 19 वर्षीय सुनिल ओडेया, टेबो थाना अंतर्गत सोंगरा गांव निवासी पिता सोमा बोदरा के 16 वर्षीय पुत्र, तीसरा अभियुक्त टेबो थाना अंतर्गत सोंगरा पोस्ट हेसाडीह निवासी 22 वर्षीय सुखराम कैता उर्फ सनिका कैता उर्फ सनिका कायता है। एक अभियुक्त अब भी फरार है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

महिला कॉलेज में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : महिला कॉलेज, चाईबासा में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस मौके पर डॉ. सुचिता बाड़ा ने कहा कि घर में बोली जाने वाली भाषा को ही मातृभाषा कहा जाता है। भाषा का अस्तित्व और संस्कृति बनी रहे। यही इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का भी जन्मदिवस है। उन्होंने कहा कि भारतेंदु हरिशचंद्र की बातों को सबके समक्ष रखते हुए कहा कि निज भाषा की जानकारी सबको होनी चाहिए, बिना निज भाषा के कोई भी व्यक्ति अपने हृदय की व्यथा को व्यक्त नहीं कर सकता। इस अवसर पर डॉ. अर्पित सुमन ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। प्रो. सितेंद्र रंजन सिंह ने कहा कि प्रत्येक विषय का अपना महत्व है।

उच्च व अन्य प्राथमिकता वाले कार्य की जनप्रतिनिधियों को दी गई जानकारी

डीएमएफटी के लिए ग्राम सभाओं से मिलीं 14,169 योजनाएं

PHOTON NEWS JSR : टाउन हॉल, सिदगोड़ा में डीएमएफटी न्यास परिषद की बैठक उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्क्षता में आयोजित की गई। सांसद बिद्युत बरण महतो, विधायक जुगसलाई मंगल कालिंदी व विधायक बहरागोड़ा समीर मोहंती, विधायक जमशेदपुर पूर्वी व जमशेदपुर पश्चिमी के प्रतिनिधि, मुखिया, उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान, सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल, निदेशक एनईपी संतोष गर्ग व अन्य संबंधित पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत प्रत्येक जिले में डीएमएफटी कोष का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए किया जाता है।

कार्यक्रम में अपनी बात रखते जनप्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

जनवरी मध्य से फरवरी में अब तक आयोजित विभिन्न ग्राम सभाओं से कुल 14,169 योजना प्राप्त हुई है, जिसमें 9,675 योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर अभी किया गया है। चयनित योजनाओं में पेयजल आपूर्ति से संबंधित 1,206 योजना, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण उपाय संबंधी 3, स्वास्थ्य क्षेत्र से 300, शिक्षा से 1367, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी 60, कौशल विकास व आजीविका सृजन के 78, स्वच्छता से जुड़ी 866, कृषि क्षेत्र के 80, आधारभूत संरचना के 4755, सिंचाई के 348, ऊर्जा एवं जलग्रहण विकास के 581 व अन्य 32 योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं में उच्च प्राथमिकता के 3,960 तथा अन्य प्राथमिकता की 5,716 योजना है, जिनमें प्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्र के लिए 8,438 और अप्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्र के लिए 1,390 योजनाएं शामिल हैं।

मार्च में होगा मुखिया प्रशिक्षण सत्र

उपायुक्त ने बताया कि मार्च में डीएमएफटी गाइडलाइन के अनुसार योजनाओं के चयन, क्रियान्वयन में सहूलियत के लिए सभी मुखिया का विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा। योजनाओं के चयन से लेकर क्रियान्वयन तक तीन स्तर पर प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिसमें ग्राम सभा में योजना का चयन करने के पश्चात प्रबंधकीय समिति प्राथमिकता तय करती है। वहीं न्यास परिषद की बैठक में योजनाओं को अनुमोदित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के पुनर्वास और सामाजिक-आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण आदि के लिए पारदर्शिता पूर्ण कार्य करने के लिए कटिहबद्ध है, मुखिया भी संवेदनशीलता से योजनाओं का चयन करें, जिससे ग्राम पंचायतों के समग्र विकास पर फोकस किया जाए।

संवेदनशील होकर ग्राम सभा योजनाओं का करे चयन

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही डीएमएफटी फंड का उपयोग, ग्राम सभा के माध्यम से योजनाओं के चयन में प्राथमिकता तय करने, 70 फीसदी राशि का व्यय प्राथमिकता वाले कार्यों पर तथा 30 फीसदी राशि का व्यय अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों पर करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेयजल आपूर्ति, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन, स्वच्छता, आवास, कृषि, पशुपालन से जुड़ी योजनाएं उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र में आते हैं, वहीं अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र में आधारभूत संरचना निर्माण, सिंचाई, ऊर्जा एवं वाटरशेड विकास व पर्यावरण गुणवत्ता बढ़ाने वाले अन्य उपाय शामिल हैं।

बकरियों की उपयोगी नस्लें

ब्लैक बंगाल: इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्न बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाशिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10:1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए र्प्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वर्गीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिर्मा काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था।

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता

पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

संपादकीय

कर्म क्षेत्र का प्रारंभ

अततः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, संघ और भाजपा में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहीं शालीमार बाग से पहली बार विधायक बनी, वैश्य समुदाय से आतीं रेखा गुप्ता ने दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लीं। 10 साल पहले अरविंद केजरीवाल ने हो-हल्ले, भारी ताम-झाम और मोटे-तगड़े वादों के साथ जिन बदलावकारी राजनीति का सपना दिखाया था, वह आधिकारिक तौर पर वह फिलवक्त दिल्ली में समाप्त हो गया। अब देखना यह होगा कि सत्ता के मद में अनेकानेक अवांछित स्थितियों को पैदा करतीं रहने वाली आम आदमी पार्टी विपक्ष में कैसी भूमिका निभाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि अपने गिरेबान में झांकेगी, अपनी गलतियों से सबक लेगी और अपने कार्यों और विचारों में तदनुसार परिवर्तन करेगी। बहरहाल, अब वास्तविक चुनौती भाजपा सरकार के सामने है। दिल्ली में ही नहीं दिल्ली से लगते उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी अब डबल इंजन की सरकार है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा की एक ही रट रही है कि दिल्ली के जो भी तात्कालिक संकट हैं, वे आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों, भ्रष्ट गतिविधियों और अनावश्यक तौर पर अन्य पर आक्षेप लगाने के कारण है। अब भाजपा की यह ढाल टूट गई है। वह सीधे-सीधे दिल्ली की संकटों की मार में है। सबसे पहले तो उसे अपने मुफ्त के वादे पूरे करने पड़ेंगे जो मोदी की गारंटी के तौर पर उसने किए थे। यानी महिलाओं के लिए 8 मार्च को ही उनके खाते में सम्मान राशि के साथ हर महीने ढाई हजार रुपये और गर्भवती महिलाओं के लिए 21000 रुपये मातृ सुरक्षा वंदना के तहत दिए जाएंगे। उसे तात्कालिक तौर पर बिजली, पानी, सड़क, सीवर , प्रदूषण और कूड़े.जैसी समस्याओं के वादानुसार ठोस हल निकालने पड़ेंगे। यमुना की सफाई वह चुनौती होगी जिस पर उसे तुरंत काम शुरू करना होगा। यह एक भगीरथ कार्य है जो समय भी लेगा, अकूत धन और इच्छाशक्ति भी। एक तरफ अपराधों पर लगाम लगाने की समस्या होगी तो दूसरी तरफ अभ्रष्ट प्रशासन देने की भी। कुल मिलाकर, ये वे समस्याएं हैं जिनके उन्मूलन की बात भाजपा ने की है। अब उसके लिए वाक क्षेत्र से कर्म क्षेत्र में उतरने का काल शुरू हो गया है। इस महाकार्य की सफलता पर केवल दिल्ली का ही नहीं भाजपा का भविष्य भी तय होगा। अन्यथा आप की पैनी तलवार भाजपा पर घातक प्रहार करने से नहीं चूकेगी।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

हम देश में आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 30 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नईदिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ से होने वाली मौतों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। यह प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ल यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी। 13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

महाकुंभ : आयोजन का श्रेय बनाम कुप्रबंधन की जिम्मेदारी

निर्मल रानी

भारतवर्ष में आयोजित होने वाले सबसे विशाल एवं विराट धार्मिक समागम को कुंभ मेला के नाम से जाना जाता है। यह आयोजन प्रयाग व हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी के तट पर, उज्जैन में शिप्रा नदी तथा नासिक में गोदावरी नदी के किनारे किया जाता है। देश दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में पौष पूर्णिमा व मकर संक्रान्ति जैसे पावन अवसरों पर स्नान करते हैं। यदि हम आयोजन स्थल की बात करें तो वार्षिक माघ मेला हो या 6 वर्षों के अंतराल में पड़ने वाले अर्ध कुंभ या फिर 12 वर्षों के अंतराल में आयोजित होने वाले पूर्ण कुंभ,सभी आयोजनों के लिये सबसे उपयुक्त, खुला व विशाल स्थान प्रयागराज ही है। यहाँ गंगा-यमुना तथा संगम के दोनों किनारों पर कई किलोमीटर लंबे खुले स्थान हैं जहाँ लाखों श्रद्धालु एक ही समय में सुगमता पूर्वक रुक सकते हैं स्नान कर सकते हैं। परन्तु इस बार सरकार द्वारा इस आयोजन को महाकुंभ के रूप में प्रचारित किया गया तथा यह भी बताया गया कि यह 144 वर्षों बाद आयोजित होने वाला महाकुंभ है। हालांकि इस दावे पर उँगलियाँ उठ रही हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जैसे संत 144 वर्ष बाद के दावे पर यह कहते हुये सवाल उठा रहे हैं कि इससे पहले 2013 व 2001 के कुंभ को भी 144 वर्ष बाद पड़ने वाला महाकुंभ बताया गया था।

इसके अतिरिक्त इस बार का आयोजन जहाँ श्रद्धालुओं का करोड़ों की संख्या में मेले में आवागमन, विदेशी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में शिरकत , विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति,आधुनिकता,उच्चस्तरीय हाई टेक ठहरने की व्यवस्था जैसी अनेक बातों को लेकर चर्चा में रहा वहीं पहली बार यह देखा गया कि स्वयं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी द्वारा राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री सहित देश के तमाम विशिष्ट जनों को महाकुंभ में आने का न्योता दिया गया। हालाँकि मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत तौर पर लोगों को निमंत्रण देने की कई जगह आलोचना भी हुई। कुछ लोगों का कहना था कि यह धार्मिक आयोजन है इस पर सभी का अधिकार है इसलिये आयोजक के रूप में न्योता देने का कोई अर्थ नहीं है। परन्तु राजनीति के वर्तमान दौर में जबकि बिना कुछ किये ही राजनेता श्रेय लेने को आतुर रहते हैं ऐसे में इतने बड़े आयोजन की भव्यता दिव्यता व सफलता का श्रेय डबल इंजन की सरकारें न लें यह आखिर कैसे हो सकता है। इस महाकुंभ के व्यापक प्रचार प्रसार की गरज से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें एपिसोड में महाकुंभ-2025 की विस्तृत चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया था कि किस तरह संगम तट पर मेले की जोरदार तैयारियां चल रही हैं । साथ ही उन्होंने मेले से पूर्व हेलीकाप्टर से पूरा कुम्भ क्षेत्र देखने के अनुभव को साँझा करते हुये कहा कि- इतना विशाल, इतना सुन्दर, इतनी भव्यता। मोदी ने कहा कि अगर कम शब्दों में कहें तो महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश और दूसरे तरीके से कहूंगा गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। और इसी अपील के साथ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न केवल अपने देश बल्कि पूरे विश्व के श्रद्धालुओं को भी महाकुंभ में आमंत्रित किया। स्वयं मुख्यमंत्री योगी ने दिसंबर माह में 4 बार महाकुंभ का निरीक्षण किया। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि 2019 में आयोजित हुये कुंभ मेले की तुलना में इस बार पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगभग प्रत्येक जनोपयोगी सुविधाओं में व्यापक विस्तार किया गया। जाहिर है भारतीय मीडिया भी काफी पहले से महाकुंभ आयोजन का दिन रात प्रचार कर रहा था। सरकार द्वारा टी वी,समाचारपत्र-पत्रकाओं सहित लगभग सभी प्रचार माध्यमों में सैकड़ों करोड़ के विज्ञापन दिए गये थे। हद तो यह है कि बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री सरीखे नाममात्र प्रवचन कताओं द्वारा यह तक कह दिया गया था कि इस महाकुंभ में स्नान न करने वाला देशद्रोही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये सरकार द्वारा हजारों की संख्या में विशेष रेलगाड़ियां,बसें,विमान आदि भी चलाये गये। इस तरह के व्यापक प्रचार प्रसार तथा धार्मिक आस्था के घालमेल में करोड़ों लोगों का प्रयागराज में इकठ्ठा होना तो स्वभाविक था ही।

परन्तु दुर्भाग्यवश इतना विशाल आयोजन प्रयागराज से लेकर दिल्ली तक कुप्रबंधन का शिकार रहा। मेला क्षेत्र में 30 दिन के अंदर अलग अलग क्षेत्रों में पांच बार तो आगजनी की घटनायें घटीं। जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से अधिक प्रशिक्षित अग्निशामक , 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए थे साथ ही अखाड़ों और टेंट में अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लगाए गए थे। उसके बावजूद यह हादसे पेश आये ? इसी तरह कुंभ मेला क्षेत्र में अनेक बार भगदड़ मची। जिसमें दर्जनों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे। अभी भी कई लोगों को अपने खोये परिजनों की तलाश है। पूरा शहर कई दिनों तक जाम की चपेट में रहा। यहाँ तक कि वी आई पी पास निरस्त करने पड़े और प्रयागराज को नो वेहिकिल जोन तक घोषित करना पड़ा। और आखिरकार श्रद्धालुओं के इस सैलाब ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ का रूप ले लिया। यहाँ भी 14 महिलाओं व 4 पुरुषों की मौत हो गयी। महाकुंभ में न आने वालों को देशद्रोही बताने वाले बागेश्वर के पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ने भगदड़ में मरने वालों को लेकर यह विवादित बयान दे दिया कि -जो कोई गंगा किनारे मरेगा वह मरेगा नहीं बल्कि मोक्ष प्राप्त करेगा। इसतरह सरकार को खुश करने के लिये अनेक साधु संतों द्वारा तरह तरह की भ्रामक बातें की गयीं जबकि इन हादसों के लिये सरकार के कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराने वालों को सनातन विरोधी,हिन्दू विरोधी,कांग्रेसी,नकारात्मक सोच रखने वाला कहा जाने लगा। हद तो यह है कि भगदड़ पर सवाल उठाने वाले शंकराचार्य के विरोध में तो सारा संत समाज ही इकठ्ठा हो गया ? शंकराचार्य ने भगदड़ में मृतकों के प्रति हमदर्दी व सरकार की लापरवाही पर ऊँगली क्या उठा दी कि उनके पद को ही चुनौती दी जाने लगी ?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

UGC draft rules limit academic autonomy

The Ministry of Education and its many organisations are working overtime to reform education. These 'reforms' are the byproduct of the belief expounded in the NEP 2020 — that whatever exists is not appropriate and must be replaced (or at least re-named) with more centrally controllable procedures. Every day, a new document/draft of revamped guidelines or recommendations is issued. The latest UGC's draft for minimum qualification for recruitment and promotion of teachers and academic staff in colleges and universities is 'seeking' suggestions and feedback on the UGC portal.The regulations on minimum qualifications for the recruitment and promotion of university and college teachers is a recipe for the collapse of quality of teaching-learning in higher education institutions. It is an inept effort to nitpick the existing procedures and further control the teaching community. The guidelines are riddled with obscurities, inconsistencies and indifference for the intricacies of academic life.

By prioritising research publications and patents over teaching and service, the regulations propagate a toxic ethos of academic exclusiveness, where faculty members are required to roil out run-of-the-mill research to mollify the supremacies that be rather than emphasise on providing worthwhile education to their learners.The regulations' stress on "Indian knowledge systems" is an oblique endeavour to enforce a constricted, nationalist pogrom on the academic world, stifling critical thinking and intellectual multiplicity. Wide-ranging expressions like "recognised contributions" and "Indian knowledge systems" are imprecise; making it problematic to decide what constitutes an effective contribution.

The lack of clear delineations gives way for misadventure, leaving scope for misapprehension, and allures indiscriminate decision-making and crass cronyism.

The draft regulation seeks to shift the focus from objectivity in selection to discretion and subjectivity. While the extant regulation requires the selection committee to assess a candidate for their research and publication, domain knowledge and presentation along with articulation, the proposed version requires the committees to base their decision on nine notable contributions. They include "innovative teaching contributions; research or teaching lab development; consultancy/sponsored research funding; teaching contributions in Indian languages; teaching-learning and research in Indian knowledge system; student internship/ project supervision; digital content creation for MOOCs; community engagement and service; and startup."The regulations prioritise research, patents and publications over teaching and service, potentially leading to an imbalance in academic responsibilities. It overlooks other valuable academic contributions like curriculum development and mentoring.It has been also left to the selection committee's discretion to decide whether the research publications are in peer-reviewed journals, whether the chapters are in books published by reputed publishers and whether a candidate's contributions in the nine areas are notable.The regulations do not provide adequate resources or support for faculty development, particularly for early-career researchers. The emphasis on research and publications assumes that faculty members already possess the necessary skills. This is a callous disregard for the well-being of academic staff, who are already overworked and underpaidThe recruitment for the post of vice-chancellor includes persons with 10 years of experience at a senior level in industry, public administration, public policy and/or public sector undertakings and who have a proven track record of significant academic or scholarly contributions. The search-cum-selection committee would now be constituted by the visitor/chancellor.

The science of happiness and Punjab's drug epidemic

One fundamental misconception fuels the cycle — that life would be easy if there is sustained happiness and that drugs provide a short-cut to attaining it.

The recent news report in The Tribune that many private drug de-addiction centres in the state have turned into "lucrative private enterprise or syndicate just to enrich themselves" shows the myriad ways in which the problem of drug and substance use can raise its hydra head. They are selling drugs, meant to wean away addicts from narcotics, in the open market at highly inflated rates.Punjab has seen an unprecedented rise in narcotic abuse, especially among its youth and working class population, leading to socio-economic devastation. A study undertaken by the Institute for Development and Communications, Chandigarh, revealed that an overwhelming number (75.8 per cent) of the sample of substance abusers from the border districts of Punjab belonged to the age group of 15-35 years.

Nearly every village in the state has been affected by drug abuse, with heroin and synthetic drugs being the most prevalent. Families are witnessing their loved ones wasting away. And, law enforcement agencies are struggling to contain the ever-expanding drug networks.Rehabilitation centres are overwhelmed and relapse rates remain high due to lack of effective psychological deterrence.

While various factors contribute to the problem, one fundamental misconception fuels the addiction cycle — that life would be easy if there is sustained happiness and that drugs provide a short-cut to attaining it.Awareness campaigns do exist, but they often fail to address the root cause of this erroneous perception. This absolute happiness myth must be countered with a scientific and evolutionary understanding of happiness to deter individuals from falling prey to substance abuse.The brain's primary function is survival, not relentless seeking of pleasure. The emotions of happiness and sadness are mechanisms to regulate behaviour in response to different situations. The brain has evolved reward pathways, primarily composed of dopamine and other neurotransmitters, to reinforce actions beneficial for survival, such as social bonding, learning and physical activity.

However, these pathways are self-regulating. When a person experiences happiness, the neurotransmitters do not sustain their effect indefinitely. Instead, they return to baseline levels, preventing the brain from being in a perpetual state of joy or sorrow. This biological mechanism ensures adaptation and survival.Drug-induced pleasure is neither natural nor sustainable. Besides, it is also not an adaptive response to the prevailing situation. Unlike organic emotional responses, which are balanced by the body's feedback mechanisms and generate an adaptive response to prevailing situation, drugs misguide the reward system to generate positive feelings.Narcotic drugs interfere with the natural process by artificially stimulating reward pathways. Initially, they induce intense euphoria, but repeated use disrupts the brain's balance, leading to diminished natural dopamine production. As drugs artificially flood the brain with neurotransmitters, the body reduces its natural production, resulting in extreme withdrawal symptoms when the drug wears off, leading to depression, anxiety and intense cravings. This results in dependence.

Over time, addicts lose the ability to feel joy without substances. Neurons have threshold sensitivity, meaning they can only fire for a limited time before becoming unresponsive. This explains why initial drug highs diminish with repeated use, forcing addicts to increase their dosage.Drugs evoke pleasure without fulfilling any survival purpose. Unlike the natural highs from achievements, social bonding or exercise, drug-induced euphoria is disconnected from reality, making it unsustainable.

onsumeristic forces contribute to reinforcing the pursuit of absolute happiness. The entertainment industry and advertisements glorify euphoria, creating unrealistic expectations. Alcohol, smoking and even drug use are often depicted as enhancers of life's experiences.This cultural injunction gives a false impression that individuals should constantly seek higher levels of pleasure, pushing some towards narcotics as a short-cut. Misleading narratives — sometimes backed by industries with vested interests — propagate the idea that alcohol or marijuana can enhance creativity, relaxation and social connectivity.This has further normalised substance use among vulnerable demographics, particularly in Punjab, where stress factors like unemployment and migration struggles are already high. Popular culture induced by neoliberal forces often simplifies these ideas into the misguided notion that happiness should be maximised at all costs.While law enforcement plays a crucial role in curbing drug supply chains, criminalising drug use alone has proven ineffective. Instead, educational interventions rooted in evolutionary psychology can provide long-term solutions.By educating youth about the brain's reward system, the transient nature of emotions and the false promises of drug-induced pleasure, we can dismantle the myths that drive addiction. The pioneer of evolutionary psychiatry, Randolph Nesse, says bad feelings are also for good reasons — in his book of the same title — to emphasise that good and bad feelings both have an adaptive role. Since they are generated naturally, we should be ready for these ups and downs.

Schools, rehabilitation centres and community outreach programmes must incorporate this knowledge to empower individuals with the tools to resist peer pressure and misleading societal narratives.Punjab's drug crisis is not just a legal or medical issue; it is a psychological and societal challenge deeply rooted in misconceptions about happiness, which need to be challenged. By adopting an evolutionary perspective on happiness and the true working of the brain's reward system, individuals can be empowered to make informed choices.

Judicial overload

Row over martyr's school reeks of intolerance

An abominable attempt has been made to erase the memory of a martyr — and that too a Param Vir Chakra awardee. Six decades after Company Quarter Master Havildar Abdul Hamid took on the might of Patton tanks and made the supreme sacrifice in the 1965 India-Pakistan war, his family had to fight a battle of its own to get his name reinstated at the main gate of his school in Ghazipur district of Uttar Pradesh.

'Shaheed Hamid Vidyalaya' was not good enough for the authorities; they not only renamed it 'PM Shri Composite School' but also promptly effected the change at the entrance to the institution. The outraged kin complained to the headmaster, who asked them to approach the local education officer. The glaring omission has finally been rectified, but the whole controversy reeks of religious intolerance and insensitivity.

Havildar Hamid's award citation mentions in glowing terms that his bravery "in the face of constant enemy fire was in the highest traditions of the Army". Naam, namak, nishan — these words sum up the code of honour of the Indian defence forces. The Indian Army, Air Force and Navy are secular organisations — their officers and soldiers serve the nation with pride irrespective of their religion, caste, creed or gender. The entire country owes gratitude to bravehearts like Hamid, not just the community to which they belonged.

Degrading a war hero simply because he professed a certain religion shows how deep the communal rot runs. Exemplary action should be taken against overzealous officials who stooped so low.

They were apparently trying to please their political bosses and chose a soft target. Thankfully, the widespread uproar has exposed their nefarious designs. The incident should serve as a warning to the political leadership and the bureaucracy to desist from chipping away at the military's apolitical ethos.

Split wide open on AI regulation

Far from facilitating a consensus on the roadmap, the Paris summit exposed fissures

The world has entered a new phase of accelerated development and application of artificial intelligence (AI) with the unveiling of DeepSeek by a Chinese entity as a strong competitor to ChatGPT and other Large Language Models. Alongside, the debate on AI regulation has also gathered steam. The subject dominated the recent AI Summit in Paris — a meeting of political leaders, diplomats and CEOs of technology companies — co-chaired by India and France. Far from facilitating a consensus on the principles of AI regulation, the summit exposed the fissures on the subject, reflective of the changed political situation after the return of US President Donald Trump.

Noting that AI was different from past technological milestones in terms of its impact, Prime Minister Narendra Modi called for "collective global efforts to establish governance and standards that uphold shared values, address risks and build trust".

As a first step towards such collective action, the summit adopted a diplomatic declaration on 'inclusive and sustainable AI'. However, two major leaders in AI development — the US and the UK — refused to sign the declaration. US Vice-President JD Vance said the world needed an AI regulatory system that fostered innovation and not strangled it, while the UK felt that the statement did not address AI's likely impact on national security. As the summit ended, it was obvious that the world was divided over AI safety and regulation.Artificial intelligence has been around for many years now, but recent advances have made general-purpose AI a reality. General-purpose AI tools can perform a wide variety of tasks and are being deployed by technology companies for many consumer and business purposes. The International AI Safety Report prepared by independent experts, including from India, was released ahead of the Paris summit. The report pointed out that sophisticated AI agents would be able to act autonomously and use computers to complete complicated projects. This means both additional benefits and new risks.

We already know the risks of AI systems — scams, non-consensual intimate imagery, child sexual abuse material, bias against groups of people or opinions, reliability, privacy violations, etc. The additional risks that the AI safety report has listed include large-scale impacts on the labour market, AI-enabled hacking and biological attacks. While testing certain AI models, it was found they can reproduce known biological and chemical weapons and facilitate the design of novel toxic compounds. General-purpose AI makes it easier to generate persuasive content at scale, thus helping people or groups seeking to manipulate public opinion. Earlier, it was believed that such impacts of AI were some decades away, but new capabilities (like scientific reasoning and programming) mean such risks Regulation of AI would necessarily require an assessment of risks and a pathway to mitigate as well as monitor them. This is going to be a Herculean task because the possible uses and applications of general-purpose AI systems are very broad — the same system can be used for anything from medical advice to writing software and generating images. AI developers and users do not fully know the possible applications of such systems, making any regulation of the technology challenging. The pace of advancement in general-purpose AI, therefore, creates an 'evidence dilemma' for decision-makers and regulators, as the report has pointed out. Moreover, technology companies are sharing only partial information with non-industry players. We cannot make any headway with regulation, given such an information gap in the understanding of the capabilities of AI systems.

Artificial intelligence has also reignited the old debate on regulation versus innovation. The US made it clear in Paris that it does not favour any regulation of the technology if it hinders innovation. This is in line with the stand of technology giants leading the AI race in America. India somehow sided with this view with a little tweak, as reflected in the Prime Minister's statement that "governance was not just about managing risks but also about promoting innovation and deploying it for the global good". The US, which is rooting for fossil fuels under Trump, did not sign the sustainability statement. This is critical because AI development and operation is a power-guzzling affair and large-scale deployment of AI systems would impact efforts to wean the world away from fossil fuels. This links AI with another contentious global issue — climate change.

Regulation has always played 'catch up' with technology. This has happened with many technological developments in the past and continues to be so with new advances — stem cell research, cloning, xenotransplantation, the Internet and social media. AI, however, is different. It is not one technology but a bunch of technologies and applications. The first task is to decide what is to be regulated. Countries or companies wishing to boost their 'leading' position in AI might hence apply a very broad interpretation of applications falling under the term. Another vital question is who is to be regulated — an entity that develops the technology, the one which develops applications or the one that deploys it. All these lines are blurred, given the nature of this technology and the information available from technology companies. It is somewhat like the content and carriage dilemma regulators are facing currently with the regulation of content on Internet-based offerings.

AI has made many revisit the three laws of robotics proposed by science fiction writer Isaac Asimov in 1942. The first said, "A robot may not injure a human being or, through inaction, allow a human being to come to harm." The second stated, "A robot must obey orders given it by human beings except where such orders would conflict with the First Law." The third specified that "a robot must protect its existence as long as such protection does not conflict with the First or Second Laws". Based on these guiding principles, it would be prudent to evolve a broad set of principles for AI governance and regulation while constantly assessing emerging risks and benefits.are not so distant.

Sensex, Nifty fall as FII selling, Trump's tariff threat batter D-Street

New Delhi. Benchmark stock market indices were set to end the week on a disappointing note as persistent selling by foreign institutional investors continued to hurt sentiments on Dalal Street.

The S&P BSE Sensex was down 272.61 points to 75,463.64 at around 9:51 am, while the NSE Nifty50 declined 91.80 points to 22,821.35.

Most of the other broader market indices also fell during early trade after recovering for the past two sessions.

Income Tax Calculator

Volatility has also increased slightly during intraday trade, suggesting that it could be a volatile session.

Nifty Auto was the top loser among sectoral indices, falling 1.2%. Nifty Bank, Nifty Financial Services and Nifty IT also fell, leading to the overall decline in the domestic stock markets.Apart from FIIs, Donald Trump's threat of reciprocal tariffs also seems to have made investors nervous.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services "In the context of Trump's tariff threats the market is negatively responding to potential tariff targets like autos and pharmaceuticals and looking for opportunities in domestic consumption plays which will not be impacted by tariff threats.""This is likely to be a short-term trend since Trump's strategy is to threaten with tariffs and then negotiate for tariff reduction on US exports. It will take time for this to play out. Higher tariffs on imports into the US is not in the interest of the US since it will be inflationary, inviting hawkish comments from the Fed, which, in turn, will impact the US stock market," he added.

Burmans finally take control of Religare Enterprises

NEW DELHI. After a prolonged corporate battle between the former management of Religare Enterprises and the Burman family, the latter has finally secured control of the financial conglomerate.

On Thursday, Religare Enterprises informed the exchanges that the Burman family, through its investment entities—MB Finmart, Puran Associates, Milky Investment and Trading Company, and Vic Enterprises—has acquired an additional 4.06% stake in REL, increasing its total shareholding in the company to 25.16%.The open offer received a tepid response, with only 231,025 shares (representing just 0.07% of the total share capital) tendered against the over 9 crore shares the Burman family had offered to buy. Meanwhile, the entities mentioned earlier acquired over 1.33 crore shares (or 3.99% of total shares) through open market purchases.

"We are pleased to announce that we have acquired control of Religare Enterprises Limited (REL) and have been designated as its promoters. We are grateful to our regulators, shareholders, and other stakeholders for their trust and confidence," said a Burman family spokesperson.

The spokesperson further stated that the new promoters' immediate priority is to instill stability, strengthen governance, and drive sustainable growth at the company. "Governance, trust, and integrity will remain at the core of our vision as we steer REL towards a future defined by resilience and stakeholder value maximization," he added.

The Burman family had announced the open offer in September 2023. However, the then-management of the company, led by Rashmi Saluja, opposed the move and accused the Burman family of market manipulation. The independent directors of REL filed complaints against the Burman family with SEBI, the RBI Governor, and the head of IRDAI. However, these efforts did not succeed, and both SEBI and RBI allowed the Burmans to proceed with the open offer.

In a last-ditch attempt to prevent the Burmans from taking control of the company, a US-based investor, Danny Gaekwad, made a counteroffer to buy a 26% stake in REL. However, SEBI rejected Gaekwad's offer, paving the way for the Burman family to take control of the company and bringing an end to the one-and-a-half-year-long corporate battle.

ICICI Sec sees Sensex at 90,000; double-digit earnings growth FY26 onwards

New Delhi. Lighting a ray of hope for investors amid gloom, analysts at ICICI Securities said in a recent note that expect the corporate earnings to rebound to double-digits starting fiscal year 2025-26 (FY26) with election-led uncertainty over and growth-oriented Union Budget in place. This, they feel, will wake up the comatose Bull and take the Sensex and the Nifty to new all-time highs in the next 12 months With the Nifty 50 down around 12 per cent from life-time highs, and mid-and small-caps down around 15-20 per cent, analysts at ICICI Securities said, valuations have become more reasonable and the present market provides extremely lucrative opportunities for long-term wealth generation.Global and domestic interest rate cycle, they said, has started its downward trajectory and should support equity valuations going forward.

"On the Nifty earnings per share (EPS) front, post the December 2024 quarter (Q3-FY25), incorporating revised profit after tax (PAT) estimates for Nifty 50 constituents, we are seeing around a 4 per cent earnings downgrade. Keeping the price-earnings (PE) multiple intact, our (Nifty) index target gets revised to 27,000 levels i.e. nearly 21x PE on FY27 EPS of Rs 1,300. Corresponding Sensex target is pegged at around 90,000 levels (up around 19.5 per cent from the current levels), offering healthy high teens upside potential over next 12 months," wrote Pankaj Pandey, head of research at ICICI Securities in a recent note.At the bourses, meanwhile, the BSE Sensex has lost nearly 12 per cent from its 52-week high level of 85571.85 hit on September 27, 2024.

Worried about volatile stock market? Check these 10 potential multibagger stocks

New Delhi. It is a tricky time for stock market investors, with a mix of global and domestic factors continuing to hurt sentiments on Dalal Street. The benchmark Sensex and Nifty are down over 4% since the beginning of the year and volatility continues to be high. The number of days when investors have lost are far more than the number of days they have gained.Despite the downturn, stock market analysts have asked investors not to panic and instead use this period as an opportunity.VLA Ambala, SEBI Registered Research Analyst and Co-Founder of Stock Market Today, said, "At the end of the stock market is a business, and businesses make money with time. This is why I advise investors to give enough time to their investments and analyse their growth regularly to identify lucrative stocks and generate earnings."In this investment approach, they can consider exploring multibagger stocks," Ambala said.

She highlighted that the most important factor for determining multibagger stocks is to check earnings and growth potential. To ensure this, Ambala said investors should seek stocks that consistently deliver revenue and profit, check metrics like PE ratio and dividend yield, and compare their performance with sectoral or broader market trends.

Based on recent performance, she also shared 10 multibagger stocks that could be a decent addition to a stock market investor's portfolio:

DIAMOND POWER

The India-based manufacturer of power transmission equipment, Diamond Power, is trading at Rs 97.15 with a P/E ratio of 129.54. The company boasts a market capitalisation of Rs 5057.01 crore and has reported a net profit of Rs 6.27 crore, reflecting a jump of 307.42%. Notably, in over five years, the company has delivered a return of 374.28%, making it an attractive pick.

RAJ RAYON INDUSTRIES

Raj Rayon Industries, a manufacturer of polyester chips and yarn, is currently trading at Rs 25.31. In the recent quarter, the company posted a net profit of Rs 8.15 crores, indicating a profit increase of 229.33%. With a market cap of Rs

1,407.44 crore, it recorded sales of Rs 17.38 crore, showing modest growth. However, it delivered an impressive five-year return of 245.96%, displaying strong financial standing.

WAAREE RENEWABLE TECHNOLOGIES

Waaree Renewable Technologies is currently trading at Rs 885.10, with a P/E ratio of 49.43. In the latest quarter, the company's profit was down by 16.71% at Rs 53.55 crore compared to the previous quarter, but it still boasts a five-year return of 224.89%. Notably, the company has also delivered a dividend yield of 0.12%, which shows long-term profitability. Meanwhile, its sales for the quarter saw an increase of 11.15% at INR 360.25 crores.

AUTHUM INVESTMENTS

Authum Investment has an attractive valuation with a low P/E ratio of 6.44 and is currently trading at Rs 1,518.75. The registered NBFC reported a net profit of Rs 545.18 crores in the latest quarter, which is down by 9.63%. However, its sales of Rs 617.66 crore marked an increase of 26.08%, and it has delivered a return of 219.68% in the last five years.

ADITYA VISION

Aditya Vision's current market price stands at Rs 412 and boasts a market capitalisation of Rs 5,300.91 crore. In the latest quarter, the company, with a P/E ratio of 54.45, recorded a net profit of Rs 24.22 crore, marking an increase of 9.25%. Meanwhile, its quarterly sales increased by 23.03%, reflecting significant growth. The company has also offered a dividend yield of 0.22% and delivered a five-year return of 172.61%.

Planning to start SIP 2 reasons why you should consider NPS

NEW DELHI. If you are planning to start a systematic investment plan (SIP), try exploring the National Pension Scheme (NPS). This government-backed retirement savings plan not only ensures financial security but also offers tax benefits.With a SIP in NPS, one can invest small amounts every month, and gradually expand your savings over a period of time.

WHY CHOOSE NPS?

The National Pension Scheme is a government-backed scheme ensuring reliability and steady returns.Further, by investing in NPS, individuals can claim tax benefits of up to Rs 1.5 lakh under Section 80C and an additional Rs 50,000 under Section 80CCD (1B).STEPS TO SET UP SIP UNDER NPS

Setting up an SIP under NPS is a simple and hassle-free process. To start with,

log into your NPS account. Navigate to the 'Investment' section and click on 'Contribution'.Now choose the SIP option and decide the investment amount and SIP frequency (monthly, quarterly or half-yearly). One can opt for single or multiple schemes with preferred asset allocation.Before proceeding, review your choices carefully. Submit bank account details, first instalment date and complete KYC if required.Make the first payment using net banking, debit or any other available option.One must know that the minimum SIP instalment is Rs 500, while Rs 1,00,000 is the maximum amount per instalment. However, if you want to contribute more towards your NPS account, you can set up additional SIPs.In case, a SIP instalment is missed, one can contribute manually to the NPS account as the missed instalment will not be invested automatically. However, deductions will continue as usual from next month.

India may let foreign EV makers like Tesla test market before investing: Report

The government is working on final guidelines for its electric vehicle (EV) manufacturing incentive scheme, and it may allow foreign carmakers like Tesla to test the market before committing to local production, The Economic Times reported.

The Scheme to Promote Manufacturing of Electric Passenger Cars in India (SMEC), announced in March 2024, is yet to take effect

SELL FIRST, INVEST LATER

Government officials quoted in the report said the guidelines would be finalised within the next two weeks and announced next month.The application window could stay open for 120 days or longer, and companies may be allowed to apply multiple times.This means an EV maker could start selling in India now and apply for incentives later if they decide to invest.

TESLA INDIA ENTRY PLANTesla, which has been exploring an entry into the country, is looking for showroom space and hiring staff, but it hasn't made any firm manufacturing commitments yet.In fact, a Bloomberg report indicated that Tesla is set for India entry with first EV shipment in coming months.In a relief for global carmakers already operating in India, the government may also count investments in EV

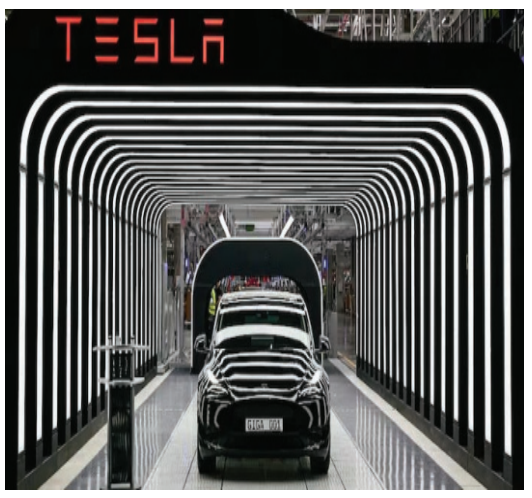

assembly lines within existing factories as eligible for incentives.

SMEC allows imports of completely built-up electric cars costing at least $35,000 at a reduced 15% import duty for five years—provided the company invests at least $500 million in local manufacturing.Some automakers had earlier raised concerns about the high invstment threshold for EV-only factories.The government expects companies to start applying for incentives soon after the guidelines are out next month.

EV policy deadline can be extended if Tesla shows interest

New Delhi. The government is open to extending the deadline for availing benefits under the proposed EV policy if Elon Musk's Tesla expresses interest in applying. Government sources told TNIE that the new electric vehicle (EV) policy guidelines will be notified by March 15.Under the EV policy, once the guidelines are notified, a 120-day window will be provided for original equipment manufacturers (OEMs) to apply for the scheme.If some carmakers are unable to apply within the stipulated timeframe, the government is willing to extend the deadline. Notably, Tesla has not participated in any of the three stakeholder consultations on the EV policy so far.However, a recent job advertisement by Tesla—following Musk's meeting with Prime Minister Narendra Modi during the latter's visit to the United States last week—has reignited speculation that Tesla may finally apply for the EV policy.Sources told TNIE that the US-based electric carmaker plans to open its first outlet in Mumbai in the coming months, followed by another in New Delhi.In its initial phase, Tesla is expected to import its affordable models from Germany to test the Indian market before committing to an investment. The company will reportedly avoid importing cars from China for the Indian market.While Tesla's entry into India now appears certain, its investment plans remain unclear. This uncertainty is underscored by Musk's

pro-America stance and US President Donald Trump's remark that if Tesla establishes a manufacturing plant in India to bypass the country's high tariffs, it would be "unfair" to the United States.

So far, Musk has not made any formal commitments regarding Tesla's India plans.Sources also confirmed that without a concrete investment commitment, Tesla will not be granted tax concessions in India. As a result, the prices of its affordable models—Model 3 and Model Y—will remain significantly higher than in other markets due to India's high import duties of up to 100% on completely built-up (CBU) cars.

Under the new EV policy, CBU electric cars with a minimum cost, insurance, and freight (CIF) value of $35,000 can now be imported at a reduced duty of 15% for five years. Currently, CBU vehicles priced above $40,000 face a 100% duty, while those below $40,000 are subject to a 70% tax.

Meanwhile, sources told TNIE that some OEMs have requested exemptions under the scheme. At present, the policy mandates 50% domestic value addition (DVA) by the end of the fifth year. Some manufacturers have urged the government to reduce this requirement to 25%. Additionally, some players have asked the government to replace the rule requiring an investment commitment backed by a bank guarantee with a corporate guarantee instead.

Farm exports to US face 4.9 per cent additional duty if Trump levies reciprocal levies

Currently, US goods entering India face a weighted average tariff of 7.7%, while Indian exports to the US are charged only 2.8%, creating a 4.9% difference.

MUMBAI. Indian farm exports may soon face higher tariffs in the United States under a new Reciprocal Tariff Plan announced on February 13.

An analysis by the Global Trade Research Initiative (GTRI) suggests that if the US imposes a uniform tariff, Indian exports could be hit with an additional 4.9% duty, raising the current 2.8% tariff. Currently, US goods entering India face a weighted average tariff of 7.7%, while Indian exports to the US are charged only 2.8%, creating a 4.9% difference.

Indian farm exports will be affected the most, with shrimp, dairy, and processed foods facing tariffs as high as 38.2%. At present, Indian farm products exported to the US face a 5.3% tariff, while US farm exports to India are charged much higher at 37.7%, leaving a 32.4% gap. The proposed tariff changes could significantly impact Idia's agricultural trade with the US.

Industrial products will also face additional tariffs if the US applies separate duties. Currently, US exports to India are charged a 5.9% weighted average tariff, while Indian industrial exports to the US face only 2.6%, leaving a 3.3% difference. If the US follows through, industrial exports could see an extra 3.3% tariff.

Pharmaceuticals, which currently account for $12.72 billion in exports, could be hit with an additional 10.9% tariff, while diamonds, gold, and silver exports worth $12 billion may face a 13.3% increase. Electronics, including iPhones and communication devices valued at $14.39 billion, will see a 7.24% tariff.The automobile sector, including auto parts worth $2.80 billion, may face a steep 23.10% tariff, making Indian vehicles less competitive in the US market. Machinery, boilers, turbines,

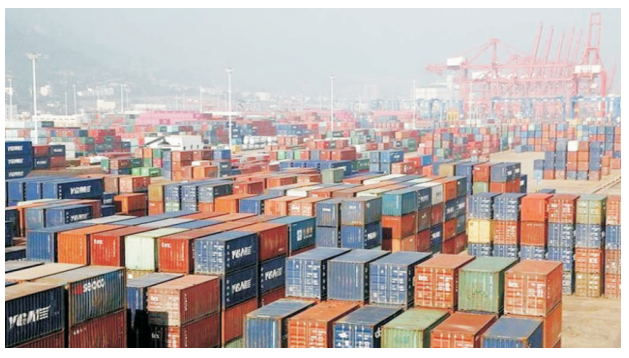

and computers, valued at $7.10 billion, could see a 5.29% tariff hike, affecting India's engineering exports. Chemicals (excluding pharmaceuticals), with exports worth $5.71 billion, will be subjected to a 6.05% tariff, reducing demand for Indian specialty chemicals. Textiles, fabrics, yarn, and carpets worth $2.76 billion will face a 6.59% tariff, increasing costs for Indian textile products.Rubber products, including tires and belts worth $1.06 billion, will face a 7.76% tariff, while paper and wood articles worth $969.65 million will have a 7.87% tariff. However, some sectors will not be affected by additional tariffs as they already face high duties in the US. Ores, minerals, and petroleum exports worth $3.33 billion have a negative tariff differential of -4.36%, meaning no new tariffs will be applied. Similarly, garments worth $4.93 billion have a -4.62% differential, keeping tariffs unchanged.

The GTRI report suggests that India may propose a zero-for-zero strategy, eliminating tariffs on 90% of industrial goods to prevent aggressive tariff hikes. If the US refuses, India may decline unfair concessions and consider countermeasures, similar to China's response to previous US tariffs under former President Donald Trump.

Delhi's 'lady don' arrested: Lavish parties, luxury brands and drug ring ties

Police had been trying to arrest Zoya for years, but she always managed to evade arrest. However, Special Cell ACP Sanjay Dutt and Inspector Sandeep Dabas finally managed to trap her in a drug case.

- Zoya Khan, wife of gangster Hashim Baba, arrested with 270g heroin.
- Managed husband's illegal operations, similar to Haseena Parkar.
- Lived lavishly, attended parties, and flaunted luxury brands

NEW DELHI. Delhi's Special Cell on Thursday arrested the wife of gangster Hashim Baba in a drug-related case. Zoya Khan was arrested with 270 grams of heroin worth around Rs 1 crore. Despite knowing that she managed her gangster husband's illegal operations, agencies had been unable to gather proof against her—until now.Gangster Hashim Baba is in Tihar Jail with multiple cases of murder, extortion, and arms violations against him. Zoya, the third wife of Hashim Baba, married him in 2017 after divorcing her first husband.

Sources say Zoya played a part similar to Haseena Parkar, the sister of underworld don Dawood Ibrahim, who managed his illegal business while staying out of police reach. Zoya was handling the gang's activities from outside the jail, helping with extortion and other crimes.

According to Special Cell sources, Zoya enjoyed a lavish lifestyle, often attending high-profile parties and flaunting expensive brands, as seen on her social media. She regularly visited Baba in jail, and their meetings were about running the gang's operations, illegal extortion, and target assignments.Police had been trying to arrest Zoya for years, but she always managed to evade arrest. However, Special Cell ACP Sanjay Dutt and Inspector Sandeep Dabas finally managed to trap her in a drug case. Acting on a tip-off, the police arrested her from Northeast Delhi's Welcome area while she was supplying drugs. They recovered 270 grams of heroin worth around Rs 1 crore in the international market.Investigations revealed that Zoya had sourced the drugs from Muzaffarnagar for further distribution. The Special Cell also suspected her involvement in sheltering shooters in the Nadir Shah murder case and is gathering evidence against her.

Zoya's family background is also linked to crime. Her mother was jailed in a sex racket case in 2024 and is currently out on bail, while her father was involved in drug supply. Due to her influence in her area, Zoya was constantly surrounded by 4–5 armed henchmen from Baba's gang.Northeast Delhi has long been a battleground for gang wars, with groups like the Chenu Gang, Hashim Baba Gang, and Nasir Pehalwan Gang thriving on drug supply and extortion.

Delhi Police to submit report to child welfare panel in Kenyan diplomat's son assault case

NEW DELHI. The Delhi Police's investigating officer (IO) is set to file a report before the Child Welfare Committee (CWC) on Friday regarding the alleged sexual assault of a five-year-old girl by a Class 12 student of the same city school, sources informed this newspaper.

The alleged accused is the son of a Kenyan diplomat posted in New Delhi, and the incident allegedly

took place in August last year.

With diplomatic immunity shielding the accused from immediate legal action, the MEA has formally requested the Kenyan Embassy to waive his immunity, paving the way for a proper investigation."The IO will submit the report before CWC by Friday," sources close to the probe said, adding the police ability to proceed hinges on the Kenyan government's approval.

If the waiver is granted, the police may question, and potentially arrest, the accused.An FIR has been registered under Section 75(2) (sexual harassment) of Bharatiya Nyaya Sanhita and Section 10 (aggravated sexual assault) of the Protection of Children from Sexual Offences Act in Greater Kailash police station onSeptember 18 last year.

New protocols on crowd control in New Delhi Station

NEW DELHI. The Delhi Rail Division of the Northern Railway has introduced a new safety protocol for platforms handling eastbound trains at the New Delhi Railway Station to prevent incidents such as the fatal stampede on February 15.The new procedure mandates that station officials must secure clearance from Railway Protection Force (RPF) before allowing any train to arrive on platforms 8-16 at the New Delhi

Railway Station.These platforms typically handle trains travelling to and from eastern regions, including Prayagraj, Patna, Kanpur, Lucknow, and Howrah. The department took the decision considering the large crowds expected for the ongoing Maha Kumbh, which has significantly increased passenger traffic on these routes.

A February 19 circular outlining the protocol explains that seeking approval from the RPF before receiving trains on the concerned platforms is necessary due to "the heavy rush at the stations and late arrival of trains because of congestion" across the North Central Railway zone. This zone includes Prayagraj, Lucknow and Moradabad divisions.

"No Question Of Imposing Language But...": Education Minister In Hindi Row

New Delhi. There is "no question of imposing any language" but there is an "over-reliance on foreign languages, limiting students' exposure to linguistic roots", and the National Education Policy tries to correct this, Education Minister Dharmendra Pradhan said Friday in a letter to Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin.The NEP "upholds the principle of linguistic freedom and ensures the students continue to learn in the language of their choice", Mr Pradhan wrote, also criticising Tamil Nadu's ruling Dravida Munnetra Kazhagam for its "continued opposition to NEP 2020 for political reasons" and for looking at the policy "with a myopic vison and spinning progressive reforms into threats to sustain political narratives".Mr Pradhan also referred to Prime Minister Narendra Modi's "Tamil language is eternal" comment in Chennai in May 2022, and wrote, "The Modi government is fully committed to promoting and popularising Tamil culture and language globally. I humbly appeal... do not politicise education..."

The letter is the latest in a 'language war' brewing between the southern state and the centre over the 'imposition of Hindi' - a new flashpoint over a longstanding and sensitive issue.It follows Mr Stalin's appeal to Prime Minister Narendra Modi 24 hours earlier; the Tamil leader had complained about Dharmendra Pradhan warning the state to comply with the NEP's three-language policy or forfeit release of education sector-related funds from the centre.

In his letter - which Mr Pradhan has declared "was not written in good taste", was "full of political motivation", and had "imaginary concerns" - Mr Stalin urged the Prime Minister to release Rs 2,154 crore in funds for 2024/25 in the spirit of "cooperative federalism" and for the "welfare" of students.

Mr Stalin - who on Sunday said Mr Pradhan was trying to "blackmail" the state into submitting to 'Hindi imposition' by stopping transfer of funds - also insisted his government would not abandon the two-language formula followed by state-run schools since 1967 for the NEP's three-language formula.

'Ready For Language War'

Deputy Chief Minister Udhayanidhi Stalin, the Chief Minister's son, was equally emphatic in his remarks on Wednesday, declaring that Tamil Nadu stands ready for another 'language war'.He also reminded the BJP that "this is a Dravidian land... the land of Periyar" and said, "The last time you tried to take away the rights of the Tamil people, they started 'GoBackModi'. If you try again... this time the voice will be 'Get out, Modi'... agitation will be done to send you back."

In Bihar, 1 Student Shot Dead, 2 Injured In Dispute Over Cheating In Exam

New Delhi. A Class X student was shot dead, and two others were injured, in Bihar's Rohtas district after two groups of students clashed over allegations of cheating during a matriculation exam.

The argument began Wednesday as a physical confrontation and was picked up again the following day, which was when gunshots were fired. A total of three students were injured.

According to reports, one student has been injured in his leg and another in his back.Local police have taken custody of the body and launched an investigation.The situation is still tense; a large police force has been deployed and the Narayan Medical College and Hospital, where the injured are being treated, has been turned into a mini-fortress.

This was after villagers and family members of the boy who was killed launched a protest, threatening to block a local highway till justice was meted out.

However, police officials told news agency PTI they had managed to talk to the protesters and persuade them to stand down.

A video from the protest site showed a large number of boys and young men sitting peacefully across the road. Another showed armed police officers trying to clear bystanders as a small water tank, towed by a tractor, burns in the middle of the highway, blocking oncoming traffic.

CCTV Links Two Murders 6 Km Apart, Delhi Cops Catch Juvenile Accused In 13 Hours

New Delhi. Two murders in Delhi that took 6 km apart and appeared completely unrelated, were unexpectedly solved today when the police examined the CCTV footage. Not only were they connected, the same group of five juveniles were involved in both, the police said. It led to a manhunt that was over within 13 hours as the police rounded up all of them.The first death was reported from New Ashok Nagar. The police got a call at 3 am that said a man has been injured in an accident near the Jal Board

Treatment Plant. When the police reached there, it became obvious that the man has been stabbed multiple times. The man, profusely bleeding, was taken to the hospital, where he was declared dead.

"When teams reached near the treatment plant between Kondli Bridge and Dallupura turn, they noticed a large amount of blood on the main road," Abhishek Dhania, a senior police officer, was quoted as saying by news agency Press Trust of India.

A case was filed and the police started scanning CCTV footage from nearby areas to hunt for clues. Towards noon, the Ghazipur police received a distress call that said a man was found dead behind a liquor shop in the Paper Market area, the officer said. The police found the body at an empty plot behind the liquor shop. He had deep stab wounds on his thigh. The man was identified as 49-year-old Ramesh, a resident of Ghazipur's Kumhar Basti.

Archaeologists Dive Into Sea Off Dwarka To Uncover Submerged Heritage

This underwater exploration is part of the renewed Underwater Archaeology Wing (UAW) of the ASI, which has "recently been revived" to undertake offshore surveys and investigations in Dwarka and Bet Dwarka in Gujarat, the ministry said.

New Delhi. A team of five archaeologists from the Archaeological Survey of India (ASI), including women members, has commenced "groundbreaking underwater explorations" off the coast of Dwarka in Gujarat, the Ministry of Culture said on Tuesday."The current underwater investigations mark a significant step in ASI's mission to safeguard India's rich underwater cultural heritage," it said in a statement.This underwater exploration is part of the renewed Underwater Archaeology Wing (UAW) of the ASI, which has "recently been revived" to undertake offshore surveys and investigations in Dwarka and Bet Dwarka in Gujarat, the ministry said.

A team of five archaeologists from the ASI, led by Professor Alok Tripathi, Additional Director-General (Archaeology) has "commenced groundbreaking underwater explorations off the coast of Dwarka," it added.The team, which also includes H K Nayak, Director (Excavations and Explorations); Aparajita Sharma, Assistant Superintending Archaeologist; Poonam Vind, and Rajkumari Barbina, has selected an area near the Gomati Creek for initial investigations, the statement said.

For the first time in ASI, this team comprises a significant number of women archaeologists and the most number of archaeologists actively participating in underwater investigations," it said.The UAW has been at the forefront of underwater archaeological research since the 1980s. Since 2001, the wing has been conducting explorations at sites such as Bangaram Island (Lakshadweep), Mahabalipuram (Tamil Nadu), Dwarka (Gujarat), Loktak Lake (Manipur), and Elephanta Island (Maharashtra), the ministry said.

Archaeologists of UAW have also collaborated with the Indian Navy and other government organisations for the study and protection of underwater cultural heritage, it said.

Probe found Pak man 'linked' to Gaurav Gogoi's wife visited India 18 times: BJP

Himanta Biswa Sarma alleged that Pakistani national Ali Tauqeer Sheikh visited India 18 times, triggering a high-profile probe into his links with Congress MP Gaurav Gogoi's British wife, Elizabeth Colburn.

- Pak national Ali Tauqeer Sheikh linked to Congress MP's wife, alleges BJP
- Himanta Sarma says preliminary findings are damaging for Congress
- BJP accuses Gaurav Gogoi's wife of ISI links, refusing Indian citizenship

An initial investigation found that Pakistani national Ali Tauqeer Sheikh, who is said to be linked to Pakistan's spy agency ISI and allegedly has ties to Congress MP Gaurav Gogoi's British wife, Elizabeth Colburn, has visited India 18 times to date, Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma claimed on Thursday.Speaking in the Assam Assembly during Motion of Thanks on the Governor's speech, Sarma also asserted that preliminary findings are "very fatal" for the Congress party and will have a "huge impact" on the politics of the state.

Earlier this week, Assam Police set up a Special Investigation Team (SIT) to examine Sheikh's social media activities and his alleged interference in India's internal affairs. The Pakistani national, reportedly an advisor to the Pakistan Planning Commission and a former colleague of Colburn, has been charged under multiple sections of the Bhartiya Nyay Sanhita (BNS) and the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA).

Within three days, the Assam Police SIT on the case found that Ali Tauqeer Sheikh visited India 18 times.

Now, we will know who invited and hosted him during those visits," the Chief Minister claimed."As per the initial information, the facts are very fatal for the Congress party. As a responsible person standing inside the assembly, I am saying this. I promise to the Assam Assembly that we will break the network of

Ali Sheikh. Give us three months and we will inform you everything in the August session," he added.Sarma further claimed that Sheikh's online activities centred around Assam immigrants, which he termed an "attempt to interfere in India's internal affairs".

"Sheikh apparently works in a climate action group. But his tweets and social media activities are on Assam immigrants. These are an attempt to interfere in India's internal affairs," he said.

POLITICAL SLUGFEST

Meanwhile, the political battle between the ruling BJP and the opposition Congress has intensified after the saffron party accused Gogoi's wife of having connections with Pakistan's spy agency Inter-Services Intelligence (ISI).

The BJP has also accused Colburn of refusing Indian citizenship for the past 12 years and of involvement in activities detrimental to India's security. They also claimed that after his marriage to Colburn, Gaurav Gogoi raised questions in Parliament on sensitive defence matters--an accusation that the Congress MP has dismissed as false.

NEWS BOX

California fire official, dubbed 'DEI hire' by Trump, stabbed to death at home

World. A veteran California Fire captain, who recently helped to lead the fight against the devastating wildfires that raged across southern California, was found dead with multiple stab wounds at her San Diego home. Now, police are seeking her 53-year-old wife, Yolanda Olejniczak, who is at large.While an investigation in the matter is underway, conspiracy theories have been circulating online about Rebecca Marodi's death. Some social media commentators said that US President Donald Trump had called her a DEI (Diversity, Equity, Inclusion) hire and blamed her for the Los Angeles wildfire.

Since the wildfires, Elon Musk have baselessly accused Los Angeles Fire Department of prioritising diversity, equity and inclusion (DEI) policies over operational effectiveness.The 49-year-old Rebecca Marodi was found dead inside her home around 9 pm on Monday and was identified by the California Department of Forestry and Fire Protection on Tuesday. Investigators believe she may have known her attacker and they are treating this case as a potential domestic violence incident, The Independent reported.

According to a statement by San Diego County Sheriff's Office (SDCSO), officers tried to save her but she succumbed to her injuries before she could be taken to a hospital.Marodi spent almost 30 years working as a firefighter, making her way from a volunteer in 1993 to captain in 2022.

Donald Trump seeks Supreme Court battle to overturn landmark federal agency ruling

WASHINGTON. A month into President Donald Trump ‘s second term, lawyers for the Republican administration seem intent on provoking a legal fight to overturn a 90-year-old Supreme Court decision known as Humphrey’s Executor that has been critical to the development of the modern U.S. government.

Humphrey’s Executor ushered in an era of powerful independent federal agencies charged with regulating labor relations, employment discrimination, the airwaves and much else.The unanimous 1935 Supreme Court ruling established that presidents cannot fire the appointed leaders of the alphabet soup of federal agencies without cause.

But that decision has long rankled conservative legal theorists who argue that the Constitution vests immense power in the president and they reject limits imposed by Congress and upheld by the courts.They say the modern administrative state gets the Constitution all wrong and that all federal agencies that are part of the executive branch answer to the president. That includes his ability to fire their leaders at will.The current Supreme Court, with a conservative majority that includes three justices nominated by Trump, has at times agreed.

Who was Humphrey and what’s an executor?

Born during the Civil War, William Humphrey became a Republican member of Congress from Washington state. He was appointed to the Federal Trade Commission by President Calvin Coolidge and reappointed by President Herbert Hoover, both Republicans. A few months after taking office in 1933, Democratic President Franklin D. Roosevelt sought Humphrey’s resignation, preferring his own choice at an agency that would have a lot to say about the New Deal.

New York governor won't remove NYC mayor Adams, for now, but plans, but Plans stricter oversight

NEW YORK. Gov. Kathy Hochul won’t immediately remove New York City Mayor Eric Adams from office, but will instead push for increased oversight of City Hall as he faces intense scrutiny over his relationship with the Trump administration.

Hochul will announce Thursday that she has, for now, decided against removing Adams from office, according to three people familiar with the governor’s plan who spoke on the condition of anonymity because they weren’t authorized to disclose its details.

The decision came after she solicited opinions this week from a roster of New York political figures over questions about whether Adams could independently govern after the Justice Department moved to drop his corruption case so he could help with Republican President Donald Trump’s immigration agenda.

Rather than remove Adams, Hochul plans to propose legislation that would require City Hall to operate within new guardrails.

Two of the sources familiar with the strategy said the proposals include establishing a new deputy inspector focused on New York City, a fund for the city’s comptroller, public advocate and council speaker to launch lawsuits against the federal government, and more money for the state comptroller to investigate the city’s finances.

Hochul — a centrist Democrat, as is Adams — has faced questions about the mayor’s future since his indictment in September on bribery and other charges. He has pleaded not guilty and said at a court hearing Wednesday that he hadn’t committed a crime.Hochul has been reluctant to oust him, arguing that doing so would be undemocratic, while thrusting the city into a complex, court-like removal process that has never been used before against a sitting mayor of the country’s most populous city.

Elon Musk's spat with astronaut over Sunita Williams in space: Lie vs idiot

World. SpaceX CEO Elon Musk, who has been tasked by US President Donald Trump to bring astronauts Sunita Williams and Butch Wilmore back from space, got into a spat on X with Danish astronaut Andreas 'Andy' Mogenson over the matter on Thursday. Mogensen, who is the former commander of the International Space Station (ISS), called out Musk for claiming Williams and Wilmore were abandoned in space by ex-US President Joe Biden.Mogensen, 48, shared a clip on X of a joint interview to Fox News by Musk and Trump, in which the SpaceX CEO alleged that Williams and Bilmore - who have been aboard the ISS for nearly 300 days - were abandoned by Biden due to "political reasons".

"What a lie. And from someone who complains about lack of honesty from the mainstream media," Mogensen wrote on the social media platformMusk countered by calling the ex-ISS commander an "idiot". "You are fully retarded. SpaceX could have brought them back several months ago. I OFFERED THIS DIRECTLY to the Biden administration and they refused. Return WAS pushed back for political reasons. Idiot," the tech billionaire replied.

Mogensen, a European Space Agency astronaut, had flown to the ISS twice, including aboard a SpaceX Crew Dragon capsule during a 2023 mission.

The 48-year-old astronaut responded to Musk's dig by accusing the latter of delaying Williams and Wilmore's rescue mission."Elon, I have long admired you and what you have accomplished, especially at SpaceX and Tesla. You know as well as I do, that Butch and Suni are returning with Crew-9, as has been the plan since last September. Even now, you are not sending up a rescue ship to bring them home. They are returning on the Dragon capsule that has been on ISS since last September," Mogensen tweeted.

During the Fox News interview, Trump asked Musk when the tech billionaire would be bringing the astronauts back. To this, the SpaceX CEO replied, "I think it's about four weeks to bring them back."The 78-year-old President also chimed in to jab Biden, saying the ex-President was going to "leave them (astronauts) in space" because he "didn't want the publicity".

This is not the first time that Trump has accused Biden of abandoning astronauts in space. Last month, after making a similar claim, the US President said on Truth Social that he has tasked SpaceX to bring them home "as soon as possible". "Terrible that the Biden administration left them there so long," he tweeted.Butch Wilmore and Indian-origin Sunita Williams flew to the ISS in June last year onboard a Boeing Starliner for a mission that was supposed to last eight days to certify the new spaceship. But due to thruster issues, NASA decided that Starliner would return without the astronauts, whose return was then tasked to SpaceX.Later, the space agency announced that Williams and Wilmore would return on the SpaceX Crew-9 mission's spaceship, which was launched in September last year with a crew of two instead of four to accomodate them. After being initially scheduled to return in February, the astronauts will now return to earth on March 19.

Trump claims BRICS 'broke up' after tariff threat: Haven't heard from them lately

World. US President Donald Trump claimed on Friday that the BRICS, which includes India, "broke up" after he threatened 150% tariffs for undermining the dollar.BRICS is an intergovernmental organisation made up of 10 countries - Brazil, Russia, India, China, South Africa, Egypt, Ethiopia, Indonesia, Iran and the United Arab Emirates.

“BRICS states were trying to destroy our dollar. They wanted to create a new currency. So when I came in, the first thing I said was any BRICS state that even mentions the destruction of the dollar will be charged a 150% tariff, and we don’t want your goods and the BRICS states just broke up,” said Trump.

He added that he hasn’t heard about the BRICS after the 150 per cent tariff threat.“I don’t know what the hell happened to them. We haven’t heard from the BRICS states lately,” Trump said.On February 13, US President Donald Trump threatened the BRICS nations that they could face 100 per cent tariffs from the United States "if they want to play games with the dollar." He said that the BRICS is dead and reiterated his threat to BRICS nations, saying the US will not trade with the bloc’s nations if they try to replace the US dollar with any other currency.Earlier in January, the US President threatened to impose tariffs on BRICS countries if they tried to introduce an alternative currency to the US Dollar.The US President had made similar warnings before assuming office as US President, saying that BRICS nations would face 100 per cent tariffs on imports to the US if they launched a new currency.

During the plenary session of the 15th BRICS Summit in 2023, Russian President Vladimir Putin called for de-dollarisation, saying that "BRICS countries must expand settlements in national currencies and enhance cooperation between banks."

Body released by Hamas not of mother of youngest hostages, Israel alleges

World. Israel's military said on Friday that one of the four bodies handed over by Hamas did not belong to any of the hostages taken during the October 7, 2023, attack, accusing the group of violating the fragile ceasefire agreement.The remains of two children, 10-month-old Kfir Bibas and his four-year-old brother Ariel, were confirmed among those returned. However, the third body, which was expected to be that of their mother, Shiri Bibas, did not match any known hostage, leaving her fate uncertain."This is a violation of utmost severity by the Hamas terrorist organisation, which is obliged under the agreement to return four deceased hostages," the Israeli military said in a statement, demanding the immediate return of Shiri and all remaining hostages. The fourth body was identified as that of hostage Oded Lifshitz.

Hamas has yet to respond to Israel's accusations.The release of the remains came amid heightened tensions, as Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu vowed retaliation against Hamas.The bodies were transferred

in a highly publicised event, with Palestinian militants handing over four black coffins in a public display watched by armed Hamas fighters and a gathered crowd. The scene drew sharp criticism from international leaders, including UN Secretary-General Ant³nio Guterres, who condemned the "abhorrent and appalling" display.

The remains were handed over as part of a ceasefire agreement brokered by the United States, Qatar, and Egypt. Israelis lined the roads near the Gaza border, braving the rain to pay their respects as the convoy carrying the coffins passed by.In Tel Aviv, mourners gathered in Hostages Square, the symbolic site of demonstrations calling for the return of captives. President Isaac Herzog expressed the nation's grief, saying, "Agony. Pain. There are no words. Our hearts-the hearts of an entire nation-lie in tatters."Netanyahu, in a recorded address, said the return of the bodies only strengthened Israel's resolve to eliminate Hamas and ensure such an attack never happens again. "Our loved ones' blood is shouting at us from the soil and is obliging us to settle the score with the despicable murderers, and we will," he declared.Israel has repeatedly vowed to destroy Hamas and bring home the roughly 250 hostages taken during the October attack.

China supports Trump's push for Russia-Ukraine peace deal at G20 meet

Beijing. China came out in support of US President Donald Trump's bid to strike a deal with Russia to end the war in Ukraine, at a G20 meeting in South Africa on Thursday, while US allies rallied around Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy.

Less than a month into his presidency, Trump has upended US policy on the war, scrapping a campaign to isolate Moscow with a phone call to Russian President Vladimir Putin and talks between senior US and Russian officials that have sidelined Ukraine.

Trump on Wednesday then denounced Zelenskyy as a "dictator," prompting statements of support for the Ukrainian president from G20 members such as Australia, Germany and the United Kingdom.

"China supports all efforts conducive to peace (in Ukraine), including the recent consensus reached between the United States and Russia," Wang Yi told other G20 foreign ministers gathered in Johannesburg, according to a statement from his ministry."China is willing to continue playing a constructive role in the political resolution of the crisis," he added.Wang did not reiterate the point he made at the Munich Security Conference last Friday that all stakeholders in the Russia-Ukraine conflict should participate in any peace talks.Beijing wants to ensure its involvement in whatever deal Trump seeks to strike with the Kremlin to prevent a currently diplomatically-isolated Russia from slipping out from under its influence, and because its ties to Russia offer China an "in" with European officials worried about being frozen out of any talks, analysts say.

"By going straight to Putin, President Trump has erased what Beijing had hoped could be a key piece of initial leverage," said Ruby Osman, a China expert at the Tony Blair Institute for Global Change."Instead, China might turn its attention to discussing a Chinese role in eventual reconstruction and peacekeeping - something that would give Beijing a significantly more vested interest in European security architecture," she added.The Trump administration said on Tuesday it had agreed to hold more talks with Russia on ending the nearly three-year long conflict after a 4-1/2-hour long meeting in Saudi Arabia.Russia said the talks had been useful, but hardened its demands, notably insisting it would not tolerate the NATO alliance granting membership to Ukraine.

Explosions on three buses in Israel in a suspected 'terror attack'

Explosions on three buses in a parking lot shook central Israel on Thursday, suspected to be a militant attack. No injuries were reported. The blasts occurred as Israel mourned the return of four hostage bodies from Gaza.

World. A series of explosions on three buses in a parking lot rattled central Israel on Thursday in what authorities suspected was a militant attack. No injuries were reported.

The explosions happened on a day when Israel was already grieving after Hamas returned the bodies of four hostages from Gaza. The bus explosions were reminiscent of bombings during the Palestinian uprising of the 2000s, but such attacks are now rare.Police spokesman Asi Aharoni told Channel 13 TV that explosives were found on two other buses. Israeli police said the five bombs were identical and equipped with timers, and said bomb squads were defusing the unexploded bombs.Bomb disposal units had also finished searching buses and trains nationwide for additional explosives and police were on the scene Bat Yam, a city outside Tel Aviv, as they searched for suspects."We need to determine if a single suspect placed explosives on a number of buses, or if there were multiple suspects," police spokesman Haim Sargrof told Israeli TV.Tzvika Brot, mayor of Bat Yam, said it was a miracle no one was hurt. The buses had finished their routes and were in a parking lot, he said.The Shin Bet internal security agency was taking over the investigation, police said, and Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said he was receiving updates from

his military secretary and following the events.Sargrof, the police spokesperson, said the explosives matched explosives used in the West Bank, but he declined to elaborate.Israel has repeatedly carried out military raids on suspected Palestinian militants in the occupied West Bank since Hamas' Oct. 7, 2023, attack sparked the devastating war in Gaza. As part of that crackdown, it has greatly restricted entry into Israel for Palestinians from the occupied territory.A group identifying itself as a branch of Hamas' military wing, Qassam Brigades, from the northern West Bank city of Tulkarem, posted on messaging app Telegram: "We will never forget to take vengeance for our martyrs as long as the occupation is on our lands."Tulkarem and two refugee camps in the city have been a focus of the recent Israeli army raids.Since the ceasefire with Hamas in Gaza took effect on Jan. 19, Israel has been conducting a broad military offensive in the West Bank. In the past, militants have entered Israel and carried out shootings and bombings in Israeli cities.Brot, the mayor, urged the public to keep their routines. Schools will be open tomorrow and public transport will be operating."Keep your routines at school, with public transportation, but with heightened awareness," he told Channel 13 TV.

NEWS BOX

"Coach Has To...": Anil Kumble's Blunt Message To Gautam Gambhir Over 'Legacy Players'

New Delhi . The ICC Champions Trophy 2025 began on a promising note for the Indian team, with a comprehensive victory against Bangladesh in the opener on Thursday. Skipper Rohit Sharma and opening batter Shubman Gill got the team off to a flying start at the top but No. 3 batter Virat Kohli didn't look his usual self. Kohli and Rohit's form has been a concern for the team management for a long time. While the skipper scored a 36-ball 41, Virat could only contribute 22 runs off 38 balls. Though India won the match, the team's former coach Anil Kumble sent a straightforward message to Gautam Gambhir, the current head coach,

about the transition from 'legacy players'.

Kumble, who himself has been in Gambhir's position, feels it's the coach's responsibility to take 'tough calls' as the team transitions from veteran players to the new generation."You could say this is a very important tournament for a coach who has to make those tough calls in terms of transitioning from the legacy players to the others. But that's the job of the coach, to make those hard decisions," he said on ESPNCricinfo.

"This tournament could determine where those seniors would go, and where India would look at making those changes. Win or lose, you need these tough calls to be made at the earliest. You need to start looking ahead in white-ball cricket, especially at the 2027 World Cup," Kumble further said.

Though India have a long way to go for the 2027 ODI World Cup, the Champions Trophy will be the last big event the team will participate in as far as the 50-over format is concerned. Kumble feels the chatter over certain players' future needs to start after the Champions Trophy ends."In any World Cup, you're looking at building a squad that has played at least 20 or 25 matches together. That's when you understand the nuances of match situations, and who to rely on. Ideally, at the end of this tournament, you must start looking ahead to the next World Cup. Do the seniors make it there? Or do we give the opportunity to youngsters to take the team forward in the shorter formats and build a strong unit? These are questions Gambhir needs to address," he said.

Yuzvendra Chahal, Dhanashree Verma Now Divorced. Report Reveals 'Reason' They Cited In Court

New Delhi . Indian cricketer Yuzvendra Chahal and his wife Dhanashree Verma are officially separated. The news of their divorce was doing rounds on social media for months. Both shared cryptic posts on the internet, hinting that they had gone their separate ways. But, none of them firmly spoke on the topic to highlight possible reasons behind the decision. However, it has now been reported that the couple's final hearing and all necessary formalities took place at the Bandra Family Court on Thursday, where both were physically present.

According to a report in ABP news, the judge advised the couple to seek counseling, which lasted for about 45 minutes. After the counselling session, the judge was informed

that both wanted to part ways with mutual consent. It was further revealed that Chahal and Dhanashree were living separately for the past 18 months. When asked about the possible reason behind seeking divorce, the couple said that had 'compatibility issues'.

At around 4:30 PM on Thursday, the judge officially granted them divorce.Chahal shared a post on social media right before the final hearing which read: "God has protected me more times than I can count. So I can only imagine the times I've been rescued that I don't even know about. Thank you, God, for always being there, even when I don't know it. Amen."

Dhanashree also shared a message about faith on her Instagram account. "From stressed to blessed. Isn't it amazing how God can turn our worries and trials into blessings? If you're stressing about something today, know that you have a choice. You can either keep worrying or you can surrender it all to God and choose to pray about everything. There is power in having faith that God can work all things together for your good."

8 hours a day at NCA: Mohammed Shami's relentless grind for Champions Trophy glory

Mohammed Shami stamped his authority with the ball in India's Champions Trophy opener against Bangladesh. Shami picked up 5 wickets and overtook Zaheer Khan as India's most successful bowler in the ICC white-ball tournaments.

New Delhi . November 2023 - February 2025: 15 months apart, Mohammed Shami once again worked his magic with the ball in an International Cricket Council (ICC) 50-over tournament for India. It seemed as if the senior fast bowler had never been away from competitive cricket. Steaming into the bowling crease and hurling rockets at 140 km/h, he was back to his vintage best for India.Shami tore through the Bangladesh batting order with both the new and old ball, claiming five wickets in India's Champions Trophy opener. This performance saw him surpass Zaheer Khan as India's most successful bowler in ICC white-ball tournaments. Shami now boasts 74 wickets from just 33 matches at an astonishing average of 15.77. As it stands, he is India's most prolific bowler in ODI World Cups, Champions Trophies, and T20 World Cups-even ahead of Jasprit Bumrah.

However, the 15 months between those performances were incredibly challenging for the fast bowler. An ankle surgery immediately after the ODI World Cup 2023 final put his career on hold just when he was experiencing the best phase of his international career. At 34 years old, with a heavy build, the consequences of surgery were always going to be significant.

Shami endured a lengthy recovery process. While it was certain that he would miss the T20 World Cup 2024, his absence from India's home Test season raised eyebrows.

"For the first two months, I often doubted whether I would be able to play again, as an injury like this followed by a 14-month break can really pull you down," Shami revealed in a conversation with the ICC ahead of the tournament.His rehabilitation at the National Cricket Academy (NCA) was

also surrounded by uncertainty. While Shami insisted that he was nearing peak fitness, India captain Rohit Sharma provided a contrasting assessment. It later emerged that Shami's knee was swelling up while bowling in the nets, delaying his return.

USED TO TRAIN 8 HOURS EVERYDAY: SHAMI

Despite these setbacks, Shami looked in outstanding form against Bangladesh. He bowled with good pace, hit the right areas, and made life difficult for the batters. Speaking at the post-match press conference, Shami acknowledged the challenges of regaining his rhythm."When you're injured and lose the form you had in the World Cup, you have to repeat everything you did to regain it. That takes a toll. But, by God's grace, I played a lot of domestic matches and assessed how my body reacted to different situations post-surgery. I played four international matches and eight or nine domestic games to prepare for this," he said.

The pacer admitted that his unwavering hunger to play international cricket for India was the driving force behind his comeback. He revealed that he had been training for eight hours daily at the NCA, battling persistent knee flare-ups in pursuit of his best form."It is God's blessing. What I focus on is bringing loyalty to my game-loyalty in executing my skills. I spent 14 months away from international cricket, working at the NCA and playing domestic matches. During that period, what mattered most was my hunger. I wanted to return to my World Cup form and find my rhythm again. I used to train for eight hours a day at the NCA during my rehabilitation," Shami added.Shami's return to peak form is particularly crucial in the absence of Jasprit Bumrah. India's main concern heading into the Champions Trophy was that their fast-bowling unit lacked the necessary firepower. However, with Shami back in full flow, India can be confident that opposition batting line-ups will struggle against a fully fit, experienced fast bowler.

Champions Trophy: Pakistan handed big fine for slow-over rate against New Zealand

Pakistan were fined 5 percent of their match fee for maintaining a slow over-rate against New Zealand in their Champions Trophy opener, adding to their struggles as they prepare for a high-stakes clash against India on February 22.

New Delhi. Pakistan have been fined 5 percent of their match fee for maintaining a slow over-rate during their Champions Trophy opener against New Zealand on February 19 in Karachi. According to the International Cricket Council (ICC), Pakistan were found to be one over short of the target even after considering time allowances.The slow over-rate penalty only adds to Pakistan's troubles in the tournament. The Mohammed Rizwan-led side, who are also co-hosts of the Champions Trophy, suffered a 60-run defeat to New Zealand. The loss has put them in a challenging position in the race for the semi-final stage, making every upcoming match crucial for their survival in the tournament.

On-field umpires Richard Kettleborough and Sharfuddoula, third umpire Joel Wilson, and fourth umpire Alex Wharf were responsible for identifying the over-rate violation. However, it was match referee Andy Pycroft who imposed the sanction on Pakistan. Rizwan pleaded guilty to the charge, resulting in no need for a follow-up hearing.

ICC Rulebook on Slow Over-Rate

As per Article 2.22 of the ICC Code of Conduct for Players and Player Support Personnel, teams must adhere to the minimum over-rate requirements. The rule states that players are fined five percent of their match fee for every over their side falls short of bowling within the allocated time.

The slow over-rate issue is something teams must remain mindful of, as repeated offenses can result in harsher penalties, including potential captaincy bans in future games.

Pakistan's Next Challenge – The India Clash

With this penalty behind them, Pakistan have already arrived in Dubai to prepare for their high-stakes clash against arch-rivals India on February 22.

With qualification on the line, Rizwan's side will need to ensure they maintain discipline both with the ball and in time management to avoid further setbacks in the tournament.

Sourav Ganguly Accident: Former India Captain Involved In Car Accident, No Injuries Reported

New Delhi. Former India captain Sourav Ganguly met with a minor accident while traveling to Burdwan for an event but fortunately escaped unhurt. The incident occurred at Dantanpur on the Durgapur Expressway when a lorry suddenly overtook his convoy, forcing the driver of Ganguly's car to apply brakes abruptly. This led to a chain reaction, causing the cars behind him to collide, with one vehicle hitting Ganguly's car.Despite the accident, Ganguly remained composed and continued with his journey after a brief halt of about 10 minutes. Two vehicles in his convoy sustained minor damage, but no injuries were reported. The former BCCI president proceeded to Burdwan University, where he attended a scheduled event and interacted with students and dignitaries.

According to reports, Ganguly was on his way to Bardhaman when a lorry attempted to merge into his convoy unexpectedly. In response, his driver immediately applied the brakes, leading to a chain reaction where a vehicle following his Range Rover collided with it. Thankfully, Ganguly and his entourage remained unharmed.

Ganguly's Address At Burdwan Event

During the event, Ganguly expressed his joy at being in Burdwan and acknowledged the contributions of local sports associations. "I am overwhelmed. It feels great to be in Burdwan. I am even happier that you invited me. The Burdwan Sports Association has been asking me to come for a long time, and it's a pleasure to be here today. The Cricket Association of Bengal (CAB) has worked with the Burdwan sports organization for 50 years, and many players have emerged from this district. We must continue recruiting talented players from here in the future," Ganguly said.

Ganguly's Enduring Influence in the Endorsement World

Meanwhile, despite stepping away from cricket administration, Sourav Ganguly continues to be one of the most sought-after names in brand endorsements. The 52-year-old is associated with over 40 brands, spanning sectors like banking, real estate, automobiles, consumer goods, and fantasy sports. His popularity and credibility make him a valuable face for leading companies across various industries.Even after the incident, Ganguly's commitment to fulfilling his engagements demonstrates his resilience and dedication, a trait that has defined him throughout his cricketing and administrative career.

Pakistan Face Brutal Criticism, Asked To Leave Champions Trophy And Join Series With Zimbabwe

New Delhi. Pakistan got off to a forgettable start in their Champions Trophy 2025 campaign as they lost against New Zealand by 60 runs. Opting to bowl first, Pakistan gave away 320 runs after Will Young and Tom Latham smashed centuries. Later, the hosts got bundled out for 260 as their batters completely failed to put up a strong fight against the Kiwis. For New Zealand, skipper Mitchell Santner and William O'Rourke scalped three wickets each. After this loss, former Pakistan wicketkeeper Kamran Akmal slammed Mohammad Rizwan and co for their poor performance.

In a conversation on ARY News, Kamran asked lashed out at Team Pakistan and called them undeserving for Champions Trophy.

"Zimbabwe aur Ireland ki series ho rahi hai, udhar jaayein. Wahan jaake khelein aur agar hum udhar jeette hain toh hum deserve karte hain (Champions Trophy). Humari iss tarah

ki cricket ho rahi hai. Itni neeche gir gayi hai humari cricket pichle 6-7 saal mein. (There's a series going on between Zimbabwe and Ireland. Go there and play with them. And if you win against them, then only you deserve to play the Champions Trophy. This is condition of Pakistan cricket. Our cricket standards have fallen drastically in the last 6-7 years.)" said Kamran.

During the Champions Trophy opener, New Zealand were struggling at 73/3 but centuries from Will Young and Tom Latham helped them reach 320/5 in 50 overs. Kamran went on to praise New Zealand for their mature brand of cricket.

"They (New Zealand) were three wickets down in the early stages of the match. Look at their maturity that they took time, rotated the strike and started firing only after getting the full control. This is what a mature team does. They always come with a backup plan.

Their batter Rachin Ravindra got injured and even his replacement (Will Young) scored a century," said Kamran. After the match, Pakistan skipper Mohammad Rizwan admitted that the team made mistakes against the Kiwis.

Virat Kohli more worried about middling the ball instead of scoring: Robin Uthappa

Former India batter Robin Uthappa commented on Virat Kohli's poor form after he got dismissed for 22 in India's first match of the ICC Champions Trophy 2025 against Bangladesh.

New Delhi. Former India batter Robin Uthappa feels Virat Kohli is more worried about middling the ball instead of scoring runs at the moment. Kohli's search for a big knock continued as he once again got dismissed cheaply against Bangladesh for 22 (38) in the ICC Champions Trophy 2025 on Thursday, February 20 in Dubai.He walked in to bat on 69/1 after a solid start from captain Rohit Sharma (41 off 36). However, the star batter failed to get going, playing nine dot deliveries on the trot against Tanzim Hasan Sakib and Mehidy Hasan Miraz. After getting off the mark on his tenth delivery, he was further troubled by Rishad Hossain.

Throughout his innings, Kohli looked completely out of rhythm as the only boundary he got was through an uncontrolled pull shot. He was finally dismissed while trying to cut Hossain and was caught at backward point to leave India on 112/2. Following his rusty innings, Uthappa mentioned how Kohli was more worried about finding the middle of his bat throughout his innings instead of scoring runs. He suggested him to break free from his mental blocks to find his mojo back."Virat, the great batter that he is, will have to address himself because, I think in a sense he's in his head a little bit. It feels like that from the outside. It feels like he's looking to middle the ball versus when he actually is batting well, he's looking to get runs. He's not worried about middling the ball because the

intent itself is different. And I think he's trying to break free from that space of trying to middle the ball versus scoring runs and he's finding himself caught in between is what I'm feeling from the outside. I think it's a matter of time, the minute he frees his head up and just goes out there and expresses himself, the runs will flow," said Uthappa on Star Sports.

Furthermore, Uthappa also highlighted a technical flaw in Kohli's technique which isn't allowing him to meet the ball with the full face of the bat."I do think there's a slight technical adjustment that he needs to make. Generally, his bat comes from the 2nd slip or 3rd slip. When he scored most of his runs, his bat generally comes from the 2nd or 3rd slip. Right now you see it's coming from right at the wicketkeeper or 1st slip. And from there, every time he looks to play the cover driver or on the offside, he's gonna not come with a full face of his bat.

He's gonna come with maybe 50-60% of his bat, and that also will make that cover driver his favourite shot, a very dangerous shot to play.

So, it's something that he will have to kind of figure out, and I hope someone speaks to him about it and helps him figure that piece out, because I think that one bit will make a huge difference. I think he's searching for his feel and form, and it's a very natural thing to happen when you're, when you are short of runs, and I think it's a matter of time," he added.

Bhumi Pednekar

Says She Is 'Very Possessive' In Relationship: 'I Believe In Monogamy'

Bhumi Pednekar is gearing up for the release of her next film, Mere Husband Ki Biwi. In an exclusive chat with News18 Showsha, she admits to ending up doing a series of films that sees her husband falling in love with another woman, rather serendipitously, and Mere Husband Ki Biwi is one of them. In this romantic-comedy co-starring Arjun Kapoor and Rakul Preet Singh, Bhumi plays Arjun's old flame, who returns to his life as he falls for someone new.

Reacting to playing the other women onscreen, she quips, "I don't know what is it about me and the roles I do (laughs)! I keep attracting the women towards my men." So, what's her take on real-life love triangles? "But in real life, I'm very possessive in a relationship. I completely believe in the institution of monogamy. So, there's no chance that I can tolerate a love triangle," she states. Interestingly, despite one single conjecture, Bhumi has always managed to keep her personal life shielded from the public eye.

Bhumi Pednekar says while she's open to falling in love, she's just as content and fulfilled without a man in her life.

And while she's open to the idea of falling in love, she tells us that she'll be comfortable with the idea of not having a man in her life. Sharing her stance on her version of an ideal relationship, Bhumi remarks, "If I fall in love, then great. Even if it doesn't happen, I'm okay with it. When you're so happy in life, you feel complete on your own. But what I look for in a relationship is comfort. I want a relationship where I can just be myself with the person. Ease is really important."

The one relationship, however, that holds a lot of meaning in her life is that of sisterhood. The actor, who didn't have qualms about sharing screen space with her female contemporaries, stresses on the importance of women supporting women. "As women, we all have shared experiences. We all, in a larger bracket, fall towards the same end. And those shared experiences automatically create a lot of empathy for each other. There's this unsaid sisterhood where we know that we've each other's back through thick and thin. We may not be the best of friends but in certain situations, I'll always have their back," she shares.

In Bhumi's words, her role in Mere Husband Ki Biwi maybe best described as the 'Biwi No 1 of this generation'. At the trailer launch when she was asked if she's living her Karisma Kapoor – an actor she took references from for her role in Pati Patni Aur Woh – era, she said, "It's a very big compliment. I grew up on films like Biwi No 1 and I was truly inspired by the female actors of that era. I got the chance to play such characters twice, thanks to Mudassar (Aziz; director) sir. Usually, women today don't get to play comic roles in films. I love being a part of comedy films. In this film, both me and Rakul got to do front-footed comedy, like we used to see in the 'No 1' film series."

Arjun Kapoor

Opens Up About 'Ideal Relationship' After Breakup: 'Love Doesn't Mean Staying...'

Arjun Kapoor and Malaika Arora, reportedly, began dating in 2018. The former lovebirds rarely shied away from sharing pictures together from their vacations. They were often captured by the shutterbugs as they got spotted in and around the city, hand in hand. Last year, however, they called it quits, the reason of which remains unclear. Following many weeks of speculation, Arjun finally revealed that he is single at Raj Thackeray's Diwali party, which also saw his Singham Again co-stars Ajay Devgn, Tiger Shroff and director Rohit Shetty in attendance.

Now, in an exclusive chat with News18 Showsha, Arjun opens up on what his idea of an ideal relationship is. "Jo de uska bhi bhala, jo na de uska bhi bhala," he quips. Talking about his expectations from his future relationship and stressing on the importance being comfortable in each other's silences, he tells us, "What I want from love today is someone to share my silences with and that's very important. Even if you're in two different spaces, you can still be connected without having to speak all the time. The idea is to share things without even realising it."

Arjun Kapoor talks about the importance of not talking always and but being comfortable in 'shared silences' in relationships

According to the Ishaqzaade and Ek Villain Returns actor, love between two people doesn't need to be spelt out in so many words. "There has to be comfort and ease. You should've to look forward to going back and spending time with your person after finishing the day. Love doesn't mean staying together with the person all the time. You should be wanting to genuinely building your life with them. It's necessary for two people to understand each other's professions too," he says.

In fact, at the trailer launch of his upcoming film Mere Husband Ki Biwi, he spilled the beans on his marriage plans. "If there is anything, I will let you all know. Today is about discussing the film and celebrating it. And I have to talk about the film. I think I have allowed enough conversations and chatter about my personal life whenever I've been comfortable, and when the time was right. For me, right now, let me celebrate being my husband's wife. And when the time comes to talk about my wife, we will talk about it at the right moment," he shared.

As for Mere Husband Ki Biwi, the film will mark his return to the romantic-comedy space – which he refers to as his 'old friend' – after many years. Speaking about it, he had said, "I've always loved stories that bring warmth, laughter and love to the screen, and this film does exactly that. I've been fortunate that the audience has loved and accepted me in the romance genre in films like 2 States, Ki & Ka, and other films. It's good to be doing something in the light-hearted zone. I hope the audiences shower me with the same kind of love and acceptance for Mere Husband Ki Biwi."

Harshvardhan Rane Plans To Stand Outside Sanam Teri Kasam Producer's Office For Sequel: 'No Awkwardness'

Soon after the re-release of Harshvardhan Rane and Mawra Hocane starrer Sanam Teri Kasam on February 7, director duo Radhika Rao and Vinay Sapru announced its sequel. While it may have piqued the curiosity and excitement of several fans, it didn't particularly sit well with producer Deepak Mukut. Speaking to Bollywood Hungama, he said that the intellectual property rights of the film lie with him and that the directors don't have the authorisation to announce a second part to Sanam Teri Kasam. Further, according to him, the director hasn't been finalised and he hasn't had a discussion with Vinay and Radhika yet.

In September last year, Deepak and Harshvardhan announced the sequel but the news had no mention of Vinay and Radhika or any other director. And recently, in an exclusive chat with News18 Showsha, Harshvardhan revealed that a director is yet to be locked. "I'm just a channel here. I'm looking for an association to happen. It's said that with great power comes great responsibility. And with love comes even greater responsibility. It's like if a girl loves you, you need to make sure that you give her the best treatment and place her on a pedestal over your head," he told us.

Hoping for the sequel to happen soon, the Taish and Tara vs Bilal actor further added, "I think this is the same responsibility that the producer is also feeling towards the audience. We've to be extremely responsible and diligent when it comes to the sequel because there's so much more riding on us this time around. We're all working towards it. I hope everything falls into place."

Harshvardhan, in fact, wouldn't even mind gathering his fans and hold up placards outside the producer's office to speed up the process. "Step one was me posting on social media for Sanam Teri Kasam to get re-released. Step two was, standing below Deepak sir's office. Step three was getting the film finally re-released. Step four was the desire to see a house full board outside cinema houses because that's something that I've never seen in my career. And the final step is the fifth one where you'll find me standing below his office once again, requesting him to make part two. I've no awkwardness about it. I'm ready to do it," he remarks.

Tara Sutaria's Ex Aadar Jain Says He Has Done 'Timepass' For 4 Years: 'I've Always Loved Alekha'

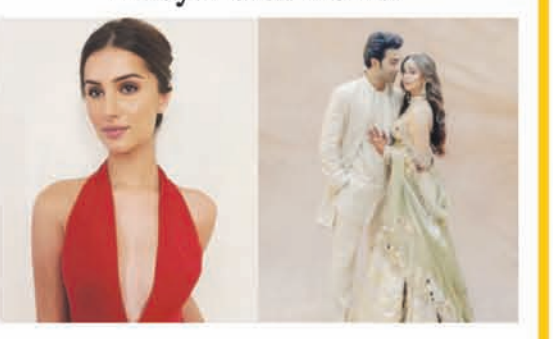

Aadar Jain and Alekha Advani recently celebrated their mehndi ceremony surrounded by close friends and family. The event, attended by Rima Jain, Ranbir Kapoor, Alia Bhatt, Soni Razdan, Karisma Kapoor, Kareena Kapoor, and others, was filled with emotional moments, including a heartfelt speech from Aadar.

In a video shared online, Aadar professed his deep love for Alekha, saying, "I have always loved her and I have always wanted to be with her. So she sent me on this long journey of 20 years through time-pass. It was worth the wait because I get to marry this beautiful, beautiful woman, who looks like a dream. I love you, and it was worth the wait. It's a secret, I have always loved her. I have done time pass for four years of my life. But now I'm with you, baby."

The couple's wedding celebrations have been the talk of the town, with glimpses of their ceremonies surfacing online. In early 2024, Aadar and Alekha tied the knot in a dreamy white wedding in Goa. The intimate affair was attended by their families and close friends, with the duo sharing multiple stunning pictures from the ceremony.

Aadar and Alekha got engaged in September 2024, making their relationship official with a heartfelt social media post. Aadar had written, "My first crush, my best friend & now, my forever." Their love story has been closely followed by fans ever since.

Before finding love with Alekha, Aadar was in a relationship with Bollywood actress Tara Sutaria. The two frequently made public appearances together and attended Kapoor family gatherings, including Christmas celebrations and Armaan Jain's wedding. However, their relationship ended in 2023.

Interestingly, Alekha and Tara shared a friendly equation. The two reportedly had a close bond and even followed each other on social media. Alekha once posted a picture with Aadar and Tara, jokingly calling herself the "third wheel." Reports suggest that Alekha even joined the ex-couple on a trip to Paris in 2022. Aadar Jain, son of Rima Jain and grandson of Bollywood legends Raj Kapoor and Krishna Kapoor, made his Bollywood debut in 2017 with Qaidi Band and was last seen in Hello Charlie.